अर्थशास्त्र

प्रश्न- बैंक 2022-23

CLASS - 12

Rajasthan State Council of Educational Research and Training, Udaipur
&
Rajasthan Council of School Education, Jaipur

कोरोना से बचाव के उपाय

हाथ धोने के पाँच आसान चरण

1

सबसे पहले होता है हाथ गीला,
फिर हाथ पर लगे साबुन रंगीला

2

हाथ से होता फिर हाथ का साथ,
फिर घूम के आगे पीछे खेले हाथ,

3

खेलो तब उंगलियों
में घुसकर

4

फिर चलाओ नाखूनों में घुसकर

5

हाथ करें फिर पानी में छप-छप,
क्योंकि साफ हाथ में ही है दम

सावधानी हेतु सुझाव

1. साबुन से 20 सेकंड तक हाथ नियमित अंतराल पर धोएँ।
2. मास्क का उपयोग करें।
3. सामाजिक दूरी बनाये रखें।
4. अनावश्यक एवं बार-बार घर से बाहर जाने से बचें।
5. सर्दी-खाँसी या हल्का बुखार होने पर नजदीकी चिकित्सा केन्द्र में डॉक्टर को दिखावें।

मुख्य संरक्षक

माननीय श्री बी.डी. कल्ला
शिक्षा मंत्री,
प्रारम्भिक व माध्यमिक शिक्षा विभाग
राजस्थान सरकार, जयपुर

माननीया श्रीमती जाहिदा खान
राज्य मंत्री,
प्रारम्भिक व माध्यमिक शिक्षा विभाग,
राजस्थान सरकार, जयपुर

संरक्षक

श्रीमती अपर्णा अरोड़ा (I.A.S.)
अतिरिक्त मुख्य सचिव, स्कूल शिक्षा,
राजस्थान सरकार, जयपुर

डॉ. मोहन लाल यादव (I.A.S.)
राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त,
राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद, जयपुर

श्री गौरव अग्रवाल (I.A.S.)
निदेशक, माध्यमिक एवं प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय
बीकानेर, राजस्थान

मुख्य मार्गदर्शक

श्रीमती कविता पाठक (R.A.S.)
निदेशक, राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान
एवं प्रशिक्षण परिषद, उदयपुर

मार्गदर्शक

डॉ. अनिल कुमार (R.A.S.)
अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक,
राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद, जयपुर

श्री शिवजी गौड़
अतिरिक्त निदेशक
राराशैअप्रप, उदयपुर

डॉ. मोटाराम भादू
उपनिदेशक
राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्
जयपुर

श्रीमती मनीषा उज्वल
एसो. प्रोफेसर
राराशैअप्रप, उदयपुर

प्रभारी अधिकारी

श्री बन्ना राम रैगर
असि. प्रोफेसर
राराशैअप्रप, उदयपुर

श्रीमती योगिता शर्मा
सहायक निदेशक
राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्, जयपुर

श्रीमती अनामिका चौधरी
असि. प्रोफेसर
राराशैअप्रप, उदयपुर

आमुख

बोर्ड परीक्षा परिणाम गुणात्मक एवं संख्यात्मक रूप से श्रेष्ठ रहे एवं प्रश्नों को हल कर के सीखने का पर्याप्त अवसर विद्यार्थियों को मिले, इसी बात को दृष्टिगत रखते हुए इस प्रश्न बैंक का निर्माण किया गया है। प्रश्न बैंक का निर्माण अनुभवी विषय विशेषज्ञों द्वारा किया गया है। इसके निर्माण में प्रत्येक पाठ की सम्पूर्ण विषय–वस्तु में से महत्वपूर्ण प्रश्नों का चयन किया गया है। प्रश्न बैंक में विभिन्न रूप यथा बहुविकल्पी, रिक्त–स्थान, अति लघु उत्तरात्मक, लघु उत्तरात्मक एवं निबन्धात्मक प्रश्नों को समाहित किया गया हैं।

विद्यार्थियों को आर्थिक समीकरण, रेखाचित्र आदि के अभ्यास को दृष्टिगत रखते हुए प्रश्न बैंक मे पर्याप्त स्थान दिया गया है।

विषयाध्यापकों से अपेक्षा की जाती है कि वे कक्षा–शिक्षण के दौरान इन प्रश्नों को दृष्टिगत रखते हुए विषय शिक्षण करवाऐंगे तथा प्रत्येक पाठ के कक्षा–शिक्षण के पश्चात इन प्रश्नों को भी विद्यार्थियों को गृहकार्य मे अभ्यास करने हेतु देंगें।

बोर्ड पेपर पेटर्न को ध्यान में रखते हुए प्रश्न बैंक में कुछ मॉडल पेपर अभ्यास हेतु दिए गए है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि प्रश्न बैंक श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम अर्जित करने में मददगार साबित होगा।

शुभकामनाओं के साथ।

निदेशक

श्रीमती कविता पाठक (RAS)

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान

एवं प्रशिक्षण परिषद, उदयपुर

@RSCERT NOT TO BE PUBLISHED

अनुक्रमणिका

क्र स.	शीर्षक	पृष्ठ संख्या
	व्यष्टि अर्थशास्त्र	
1	परिचय	6–8
2	उपभोक्ता के व्यवहार के सिद्धांत	9–11
3	उत्पादन एवं लागत	12–15
4	पूर्ण प्रतिस्पर्धा की स्थिती में फर्म का सिद्धांत	16–20
5	बजार संतुलन	21–24
6	प्रतिस्पर्धा रहित बाजार	25–29
	समष्टि अर्थशास्त्र	
1	परिचय	6–8
2	राष्ट्रीय आय का लेखांकन	30–36
3	मुद्रा एवं बैंकिग	37–41
4	आय एवं रोजगार के निर्धारण	42–46
5	सरकारी बजट एवं अर्थव्यवस्था	47–51
6	खुली अर्थव्यवस्था	52–56
	मॉडल पेपर **संक्षिप्त पाठ्यक्रम 2021–22 के अनुसार**	
1	मॉडल पेपर – 1	57–69
2	मॉडल पेपर – 2	
3	मॉडल पेपर – 3	

© KSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

कक्षा–XII
अर्थशास्त्र
अध्याय–1 परिचय
(व्यष्टि एवं समष्टि अर्थशास्त्र)

1. अर्थशास्त्र का जनक किसे कहा जाता है–
   A. एडम स्मिथ B. माल्थस C. कीन्स D. पॉल ए सेम्यूलसन

2. अर्थशास्त्र की धन प्रधान परिभाषा किसके द्वारा दी गई–
   A. अल्फ्रेड मार्शल B. एडम स्मिथ C. केत्सोयानिस D. रोबिंस

3. मुख्य आर्थिक समस्या नहीं है–
   A. क्या उत्पादन करें B. कैसे उत्पादन करें
   C. किसको उत्पादन का वितरण करें D. निर्धन कैसे बने

4. व्यष्टि अर्थशास्त्र का सम्बन्ध है–
   A. उत्पादन साधनों की कीमतों से B. सेवाओं की कीमतों से
   C. वस्तुओं की कीमतों से D. उपर्युक्त सभी से

5. किसी एक वस्तु की एक अतिरिक्त इकाई को प्राप्त करने हेतु दूसरी वस्तु की कितनी मात्रा छोड़नी पड़ती हे उसे कहा जाता है–
   A. मौद्रिक लागत
   B. कुल लागत
   C. अवसर लागत
   D. सामाजिक लागत

6. वह विश्लेषण जिसके अन्तर्गत हम इस बात का अध्ययन करते है कि कौनसी क्रियाविधियाँ हमारे अनुकूल हैं और कौनसी प्रतिकूल हैं, कहलाता है–
   A. सामान्य विश्लेषण B. सकारात्मक विश्लेषण
   C. वास्तविक विश्लेषण D. आदर्शक विश्लेषण

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

7. अर्थशास्त्र की वह शाखा जिसमें वैयक्तिक इकाइयों का विश्लेषण किया जाता हैं, कहलाती है–

A. समष्टि अर्थशास्त्र B. व्यष्टि अर्थशास्त्र
C. मौद्रिक अर्थव्यवस्था D. विकास का अर्थशास्त्र

8. भारतीय अर्थव्यवस्था किस प्रकार की अर्थव्यवस्था हैं–

A. केन्द्रीयकृत योजनाबद्ध B. बाजार अर्थव्यवस्था
C. मिश्रित अर्थव्यवस्था D. उपरोक्त में से कोई नहीं

9. अर्थशास्त्र की वह शाखा जिसमें समग्र अर्थव्यवस्था का अध्ययन किया जाता है, कहलाती है–

A. समष्टि अर्थशास्त्र B. व्यष्टि अर्थशास्त्र
C. मौद्रिक अर्थव्यवस्था D. लोक वित्त अर्थशासत्र

10. राष्ट्रीय आय, राष्ट्रीय उत्पादन एवं सामान्य कीमत स्तर का अध्ययन किया जाता है–

A. व्यष्टि अर्थशास्त्र में B. समष्टि अर्थशास्त्र में
C. स्थैतिक अर्थव्यवस्था D. प्रावैगिक अर्थशास्त्र में

11. आधुनिक अर्थशास्त्री के रूप में किसे जाना जाता है–

A. कीन्स B. एडम स्मिथ C. मार्शल D. पीगू

12. ''एन इन्क्वायरी इन्टू द नेचर एंड काउज ऑफ द वेल्थ ऑफ नेशंस'' पुस्तक के लेखक कौन है–

A. कीन्स B. पीगू C. मार्शल D. एडम स्मिथ

13. मुद्रास्फीति किसे कहते है–

A. कीमतों का बढ़ना B. कीमतों का घटना
C. कीमतें स्थिर रहना D. उपर्युक्त में से कोई नहीं

14. ''जनरल थ्यौरी ऑफ इंप्लायमेंट, इंटरेस्ट एंड मनी'' पुस्तक के लेखक कौन है–

A. एडम स्मिथ B. पीगू
C. जॉन मेनार्ड कीन्स D. उपर्युक्त में से कोई नहीं

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

15. रोजगार के स्तर में गिरावट, माँग में गिरावट जैसी बाजार की स्थितियों को कहते है–

A. मंदी B. तेजी C. स्थिरता D. उपर्युक्त में से कोई नहीं

16. उत्पादन के कारक है–

A. भूमि B. पूंजी C. श्रम D. उपर्युक्त सभी

लघुत्तरात्मक प्रश्न

1. व्यष्टि अर्थशास्त्र से क्या तात्पर्य है?
2. अर्थव्यवस्था को कौन–कौन से क्षेत्रों में वर्गीकृत किया जाता है?
3. अवसर लागत से क्या तात्पर्य है?
4. केन्द्रीयकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था तथा बाजार अर्थव्यवस्था के भेद स्पष्ट कीजिए।
5. चुनाव (चयन) की समस्या से क्या तात्पर्य है?
6. उत्पादन सम्भावना वक्र बनाकर स्पष्ट कीजिए।
7. बाजार अर्थव्यवस्था में उत्पादन, विनिमय, तथा उपयोग सम्बंधित निर्णय किस आधार पर लिए जाते है?
8. केन्द्रीयकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था क्या हैं तथा इसका मुख्य उद्देश्य क्या होता है?
9. समष्टि अर्थशास्त्र से क्या तात्पर्य है?

निबंधात्मक प्रश्न

1. व्यष्टि अर्थशास्त्र एवं समष्टि अर्थशास्त्र में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
2. अर्थशास्त्र की केन्द्रीय समस्याओं की विवेचना कीजिए।
3. अर्थव्यवस्था के विभिन्न स्वरूपो को स्पष्ट कीजिए।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

अध्याय – 2
(उपभोक्ता के व्यवहार का सिद्धान्त)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. उपयोगिता का क्रमवाचक विश्लेषण किस अर्थशास्त्री ने किया–
   A. मार्शल B. पीगु C. एडम स्मिथ D. हिक्स

2. उपभोक्ता का संतृप्ति बिन्दु (किसी वस्तु के लिए) वहाँ होगा जहाँ–
   A. कुल उपयोगिता अधिकतम हो B. सीमान्त उपयोगिता शुन्य हो
   C. उपरोक्त दोनो D. उपरोक्त में से कोई नहीं

3. बजट रेखा का ढ़ाल होगा–
   A. px.py B. $\frac{px}{py}$
   C. $\frac{py}{px}$ D. $\frac{M}{px}$

4. इकाई की सीमान्त उपयोगिता की गणना निम्न प्रकार से की जाती हैं–
   A. $Mu_n = Tu_n - Tu_{n-1}$
   B. $Mu_n = Mu_n - Tu_{n+1}$
   C. $Mu_n = \frac{Tun - Tun+1}{2}$
   D. $Mu_n = Tu_n + Tu_{n-1}$

5. वह रेखा जो उन सभी बण्डलो का प्रतिनिधित्व करती है, जिन पर उपभोक्ता की सम्पूर्ण आय व्यय हो जाती है कहलाती है
   A. व्यय रेखा B. आय रेखा C. बजट रेखा D. उत्पादन सम्भावना रेखा

6. आयताकार अतिपरवलय माँग वक्र में माँग की कीमत लोच होती हैं
   A. इकाई से अधिक B. इकाई से कम
   C. इकाई के बराबर D. उपरोक्त तीनो

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

7. एक उपभोक्ता की माँग निम्न में से किससे प्रभावित होती है–
   A. वस्तु की कीमत   B. उपभोक्ता की आय
   C. उपभोक्ता की रूचि   D. उपरोक्त सभी
8. जिन वस्तुओं का उपयोग साथ–साथ होता है कहलाती हैं
   A. स्थानापन्न वस्तुएँ   B. पूरक वस्तुएँ
   C. विलासिता की वस्तुएँ   D. निम्नस्तरीय वस्तुएँ

9. उपभोक्ता की आय में वृद्धि होने पर किन वस्तुओं की मांग में कमी होती है–
   A. स्थानापन्न वस्तुओ   B. पुरक वस्तुओं की
   C. निम्नस्तरीय वस्तुओं की   D. विलासिता की वस्तुओं की

10. माँग का नियम किन वस्तुओं पर लागु नहीं होता है–
   A. सामान्य वस्तु   B. स्थानापन्न वस्तु
   C. गिफिन वस्तु   D. उपरोक्त सभी
11. यदि वस्तुओं की कीमतें एवं उपभोक्ता की आय दुगुनी हो जाए तो बजट रेखा पर प्रभाव पड़ेगा–
   A. दांयी ओर खिसकेगा   B. बांयी ओर सिखकेगा
   C. अपरिवर्तित रहेगा   D. तीनों स्थिति हो सकती

12. मान लिजिए कि उपभोक्ता के अधिमान एकदिष्ट हैं।
   बण्डल (10,10), (10, 9), (9, 9) पर उसके अधिमान का क्रम क्या रहेगा–
   A. (10,10), (10, 9), (9, 9)   B. (9, 9), (10, 9), (10,10)
   C. (10, 9), (10,10), (9, 9)   D. (9, 9), (10,10), (10, 9)

लघुत्तरात्मक प्रश्न

1. उपयोगिता फलन किस प्रकार लिखते है?
2. उपयोगिता को परिभाषित कीजिए।
3. तटस्थता वक्र को परिभाषित कीजिए।
4. दो वस्तुओं की स्थिति में गणनावाचक विश्लेषण में उपभोक्ता के सन्तुलन की शर्त बताइये?
5. तटस्थता वक्र मूल बिन्दु के उन्नतोदर क्यों होते है?

NOT TO BE REPUBLISHED @ RSCERT

6. बजट रेखा का गणितिय समीकरण लिखिए

   (वस्तु x, y एवं x की कीमत Px, y की कीमत Py)

7. 'एकदिष्ट अधिमान' को परिभाषित कीजिए ।
8. माँग की कीमत लोच ज्ञात करने का सुत्र लिखिए ।
9. माँग की लोच को परिभाषित कीजिए।
10. माँग का नियम लिखिए।
11. 'ह्रासमान सीमान्त उपयोगिता नियम' संक्षिप्त में लिखिए।
12. अनअधिमान वक्र का रेखाचित्र बनाते हुए परिभाषित कीजिए।
13. माँग वक्र का ढ़ाल बांये से दांये नीचे की तरह झुकता हुआ क्यों होता हैं तीन कारण लिखिए।
14. निम्न को परिभाषित करते हुए दो–दो उदाहरण दीजिए।
    1. स्थानापन्न वस्तुएँ
    2. पूरक वस्तुएँ
    3. सामान्य वस्तुएँ
    4. निम्नस्तरीय वस्तुएँ

निबंधात्मक प्रश्न

1. अनधिमान वक्र की सहायता से उपभोक्ता के इष्टतम चयन को स्पष्ट कीजिए ।
2. बजट रेखा को परिभाषित करते हुए रेखाचित्र की सहायता से स्पष्ट कीजिए।
3. माँग को परिभाषित करते हुए इसे प्रभावित करने वाले कारक लिखिए।
4. माँग की लोच का अर्थ बताते हुए माँग की लोच के प्रकारों का वर्णन कीजिए। (कीमत लोच, आय लोच, आड़ी/तिरछी लोच)
5. माँग की कीमत लोच एवं कुल व्यय में संबधं स्पष्ट कीजिए।
6. x वस्तु की कीमत, Y वस्तु की कीमत, उपभोक्ता की आय में परिवर्तन का बजट सेट (बजट रेखा) में होने वाले परिवर्तन को स्पष्ट कीजिए।
7. माँग की कीमत लोच की श्रेणियों को रेखाचित्र की सहायता से स्पष्ट कीजिए।
8. आय में परिवर्तन के कारण बजट सेट में होने वाले परिवर्तन को रेखाचित्र द्वारा स्पष्ट कीजिए।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

अध्याय– 3

उत्पादन तथा लागत

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. निम्न सूत्र में से कौनसा गलत हैं –

(अ) कुल लागत = कुल परिवर्ती लागत + कुल स्थिर लागत

(ब) औसत लागत = कुल लागत / q

(स) सीमान्त लागत = आगत में परिवर्तन / निर्गत में परिवर्तन

(द) कुल स्थिर लागत = औसत स्थिर लागत x मात्रा

2. निम्न में से कौनसे वक्र की आकृति U के समान नहीं होती –

(अ) औसत लागत वक्र (ब) सीमान्त लागत वक्र

(स) औसत परिवर्ती लागत वक्र (द) औसत स्थिर लागत वक्र

3. औसत उत्पादन (AP) एवं सीमान्त उत्पाद (MP) के परस्पर संबंध के संदर्भ में कौनसा कथन सहीं है–

(अ) जब AP बढ रहा होता है तब MP उससे अधिक होता है।

(ब) जब AP घट रहा हो तब MP AP से अधिक होता है। में परिवर्तन

(स) जब AP अधिकतम हो तब MP एवं AP बराबर होता है।

(द) उपरोक्त सभी।

4. परिवर्ती अनुपात नियम के अन्तर्गत जहाँ कुल उत्पादन अधिकतम होता हैं वहाँ सीमान्त उत्पादन होगा –

(अ) धनात्मक (ब) न्यूनतम

(स) शुन्य (द) ऋणात्मक

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

5. ह्रासमान पैमाने के प्रतिफल के अन्तर्गत–

(अ) उत्पादन के साधन जिस अनुपात में बढ़ते हैं कुल उत्पादन उससे कम अनुपात में बढ़ता है।

(ब) उत्पादन साधन जिस अनुपात में बढ़ते हैं कुल उत्पादन उससे अधिक अनुपात में बढ़ता है।

(स) उत्पादन साधन जिस अनुपात में बढ़ते है कुल उत्पादन भी उसी अनुपात में बढ़ता है।

(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

6. एक फर्म द्वारा उपयोग में लाये गये आगतों तथा फर्म द्वारा उत्पादित निर्गत में संबंध बताने वाला फलन है –

(अ) उपभोग फलन (ब) उत्पादन फलन

(स) व्यय फलन (द) आय फलन

7. अल्पकाल में एक फर्म जिन आगतों में परिवर्तन ला सकती है, उन्हें कहा जाता है–

(अ) स्थिर आगत (ब) कुल आगत

(स) परिवर्ती आगत (द) सीमान्त आगत

8. एक फर्म द्वारा कुल उत्पादन की एक अतिरिक्त इकाई के उत्पादन के लिए लागत में होने वाला परिवर्तन कहलाता है –

(अ) सीमान्त लागत (ब) औसत लागत

(स) कुल लागत (द) कुल उत्पादन

9. जब सीमान्त उत्पाद शून्य होता है तब कुल उत्पाद होता है–

(अ) शून्य (ब) अधिकतम

© NCERT NOT TO BE REPUBLISHED

(स) न्युनतम (द) उपरोक्त सभी

10. पैमाने के प्रतिफल की अवधारणा किस समयावधि से संबंधित है–

(अ) अति अल्पकाल (ब) अल्पकाल

(स) दीर्घकाल (द) अति दीर्घकाल

अति लघुत्तरात्मक

1. कौनसा लागत वक्र आयताकार अतिपरवलय आकृति का होता है?
2. अल्पकाल से क्या तात्पर्य है?
3. दीर्घकाल से क्या तात्पर्य है?
4. उत्पादन फलन से क्या तात्पर्य है?
5. वह कौनसी लागत हैं जिससे अल्पकाल में कोई परिवर्तन नहीं होता है?
6. समोत्पाद वक्र बनाइये।
7. औसत उत्पाद की आकृति किस प्रकार की होती है?
8. पैमाने के प्रतिफल के प्रकार कौन–कौन से है?
9. सीमान्त लागत से क्या तात्पर्य है?

10 सीमान्त लागत ज्ञात करने का सूत्र लिखिए।

11. अल्पकाल में परिवर्ती आगतों का दो उदाहरण दीजिए।
12. समय के आधार पर उत्पादन फलन के प्रकार लिखिए।
13. उत्पादन लागत किसे कहते हैं?
14. उत्पादन वृद्धि के साथ–साथ औसत स्थिर लागत में परिवर्तन (घटता, बढ़ता, स्थिर) किस तरह का होता है?

लघुत्तरात्मक प्रश्न

1. 'पैमाने के प्रतिफल' की अवधारणा को संक्षिप्त में लिखिए।
2. उत्पादन के संदर्भ में अल्पकाल एवं दीर्घकाल से क्या तात्पर्य है?
3. उत्पादन आगतों से क्या तात्पर्य है? दो उदाहरण दीजिए।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

4. फर्म उत्पादन साधनों के किस संयोग बिन्दु पर साम्य में होगी?
5. 'उत्पादन के प्रतिफल' एवं 'परिवर्ती अनुपात नियम' में कोई तीन अन्तर लिखिए।
6. उत्पादन के सन्तुलन की कोई दो आवश्यक शर्त बताइये।
7. परिवर्ती अनुपात नियम की विशेषताएं लिखिए।
8. उत्पादन आगतों को उदाहरण सहित परिभाषित कीजिए।
9. समोत्पति वक्र की विशेषताएं लिखिए।
10. स्थिर लागत एवं परिवर्तनशील लागत में अन्तर लिखिए।
11. समोत्पाद वक्र तथा समलागत रेखा द्वारा एक उत्पादक का इष्टतम संयोग का निर्धारण कीजिए।
12. समोत्पाद मानचित्र से क्या अभिप्राय है रेखाचित्र द्वारा दर्शाइये।
13. औसत उत्पाद एवं सीमान्त उत्पाद में संबंध को रेखाचित्र की सहायता से स्पष्ट कीजिए।
14. ह्यसमान सीमान्त उत्पादन नियम लागु होने के तीन कारण लिखिए।

निबंधात्मक प्रश्न

1. अल्पकाल में एक फर्म के कुल उत्पाद, औसत उत्पाद तथा सीमान्त उत्पाद की अवधारणा को रेखाचित्र सहित स्पष्ट कीजिए।
2. अल्पकालीन औसत लागत, औसत परिवर्तनशील लागत एवं सीमान्त लागत की अवधारणा को रेखाचित सहित समझाइये।
3. परिवर्तनशील अनुपातों के नियम की रेखाचित्र सहित व्याख्या कीजिए।
4. पैमाने के प्रतिफल को परिभाषित करते हुए इसके प्रकारों को रेखाचित्र की सहायता से स्पष्ट कीजिए।
5. दीर्घकालीन लागत से क्या तात्पर्य है? दीर्घकालीन सीमान्त एवं औसत लागत के संबंध को रेखाचित्र की सहायता से स्पष्ट कीजिए।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

अध्याय – 4

पूर्ण प्रतिस्पर्धा की स्थिति में फर्म का सिद्धान्त

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. पूर्ण प्रतिस्पर्धा बाजार की विशेषता है–

(अ) अत्यधिक क्रेता एवं विक्रेता

(ब) समरूप वस्तुएं

(स) फर्मो का स्वतन्त्र प्रवेश एवं बहिर्गमन

(द) उपरोक्त सभी

2. पूर्ण प्रतिस्पर्धा बाजार की में कीमत का निर्धारण किया जाता है–

(अ) फर्म द्वारा

(ब) उद्योग द्वारा

(स) सरकार द्वारा

(द) क्रेता द्वारा

3. पूर्ण प्रतिस्पर्धा बाजार में फर्म का माँग वक्र होता है–

(अ) इकाई के अधिक लोचदार (ब) इकाई से कम लोचदार

(स) इकाई लोचदार (द) पूर्णतया लोचदार

4. फर्म के पूर्ति वक्र को प्रभावित करने वाले कारक है–

(अ) आगत कीमतें

(ब) प्रौद्योगिकी प्रगति

(स) प्रति इकाई कर

(द) उपरोक्त सभी

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

5. निम्न में से गलत है–

(अ) औसत सम्प्राप्ति = कुल सम्प्राप्ति/कुल निर्गत

(ब) सीमान्त सम्प्राप्ति = कुल सम्प्राप्ति में परिवर्तन/निर्गत मात्रा में परिवर्तन

(स) लाभ = कुल सम्प्राप्ति– सीमान्त सम्प्राप्ति

(द) पूर्ति की कीमत लोच = पूर्ति की मात्रा में प्रतिशत परिवर्तन/कीमत में प्रतिशत परिवर्तन

6. निम्न में से गलत कथन है–

(अ) पूर्ण प्रतिस्पर्धा बाजार में फर्म का सीमान्त सम्प्राप्ति वक्र क्षैतीज अक्ष के समान्तर होता है।

(ब) पूर्ण प्रतिस्पर्धा में फर्म का औसत सम्प्राप्ति वक्र क्षैतीज अक्ष के समान्तर होता है।

(स) पूर्ण प्रतिस्पर्धा में फर्म का कुल सम्प्राप्ति वक्र क्षैतीज अक्ष के समान्तर होता है।

(द) उपरोक्त सभी।

7. वस्तु की कीमत और उसकी पूर्ति के मध्य संबंध होता है –

(अ) प्रत्यक्ष व धनात्मक (ब) प्रत्यक्ष व ऋणात्मक

(स) आनुपातिक संबंध (द) अप्रत्यक्ष संबंध

8. यदि एक उत्पादक किसी निश्चित समयावधि में कुल 200 इकाई उत्पादित करता है और उसमें यदि 180 इकाई बिक्री हेतु बाजार में उपलब्ध करवाता है तो बाजार में उसकी पूर्ति होगी –

(अ) 200 (ब) 20

(स) 380 (द) 180

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

9. निम्न में से कौनसा कारक पूर्ति वक्र में परिवर्तनन के लिए उत्तरदायी नहीं है –

(अ) कच्चे माल की कीमतें (ब) प्रौद्योगिकी में परिवर्तन

(स) वस्तु की कीमतें (द) विशेष अवसर

10. पूर्ण प्रतिस्पर्धा बाजार में अल्पकाल में फर्म को होता है–

(अ) असामान्य लाभ

(ब) हानि

(स) सामान्य लाभ

(द) तीनो में से कोई भी

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न

1. उत्पादन की आगतों की कीमत में वृद्धि होने पर फर्म के पूर्ति पर क्या प्रभाव पडता है?
2. उत्पादन कर में कमी होने पर पूर्ति वक्र पर क्या प्रभाव पड़ेगा?
3. पूर्णतया लोचदार पूर्ति में पूर्ति वक्र कैसा होता है?
4. इकाई लोचदार पूर्ति किसे कहते है?
5. पूर्ति का नियम लिखिए।
6. पूर्ण प्रतिस्पर्धी बाजार में कीमत निर्धारण किसके द्वारा किया जाता है?

लघुत्तरात्मक प्रश्न

1. सन्तुलित कीमत (साम्य कीमत) से क्या तात्पर्य है?
2. उत्पादन बंदी (shut down pt) बिन्दु क्या है ? अल्पकाल मे एक फर्म कब उत्पादन बंद कर देती है?
3. उत्पादक के सन्तुलन की दो शर्ते लिखिए।
4. पूर्ति का विस्तार एवं पूर्ति में वृद्धि में अन्तर लिखिए।
5. इकाई कर क्या हैं इसको लगाने से पूर्ति पर क्या प्रभाव पड़ेगा।
6. पूर्ति में कमी से क्या तात्पर्य है?
7. पूर्ति के नियम की मान्यताएं लिखिए।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

8. पूर्ति वक्र क्या हैं एवं पूर्ति को प्रभावित करने वाले कारक लिखिए।
9. पूर्ति में वृद्धि को रेखाचित्र की सहायता से समझाइये।
10. फर्म के लिए सामान्य लाभ या लाभ–अलाभ बिन्दु से क्या तात्पर्य है।
11. पूर्ति की कीमत लोच से क्या तात्पर्य है? सूत्र भी लिखिए।
12. पूर्ण प्रतिस्पर्धी बाजार में फर्म का औसत आगम एवं सीमान्त आगम को रेखाचित की सहायता से समझाइये।
13. यदि एक फर्म 4 रू. पर अपने उत्पाद की 800 इकाईयों बेचने को तैयार हैं तथा यदि कीमत बढ़कर 5 रू. हो जाती है तो वह फर्म अपने उत्पाद की 1000 इकाइयाँ बेचने को तैयार है। फर्म की पूर्ति की कीमत लोच ज्ञात किजिए।
14. पूर्ण प्रतियोगिता की निर्बाध प्रवेश एवं निकास (बहिर्गमन) की विशेषता को स्पष्ट कीजिए।

निबंधात्मक प्रश्न

1. पूर्ण प्रतियोगिता बाजार को परिभाषित करते हुए इसकी प्रमुख विशेषताएं लिखिए।
2. पूर्ण प्रतिस्पर्धा बाजार में अल्पकाल में एक फर्म के लाभ अधिकतमीकरण को रेखाचित्र की सहायता से स्पष्ट कीजिए।
3. एक फर्म के पूर्ति वक्र से क्या तात्पर्य हैं फर्म के दीर्घकालीन पूर्ति वक्र को रेखाचित्र की सहायता से स्पष्ट कीजिए।
4. फर्म के अल्पकालीन पूर्ति वक्र को रेखाचित्र की सहायता से स्पष्ट कीजिए।
5. पूर्ण प्रतियोगिता में फर्म के साम्य को रेखाचित्र की सहायता से स्पष्ट कीजिए। (कुल आगत कुल लागत विधि & सीमान्त आगम सीमान्त लागत विधि)
6. पूर्ण प्रतियोगिता में अल्पकाल में फर्म को सामान्य लाभ, असामान्य लाभ एवं हानि को रेखाचित्र की सहायता से समझाइये।

© NCERT NOT TO BE REPUBLISHED

7. निम्न तालिका में एक प्रतिस्पर्धी फर्म की कुल लागत सारणी दर्शाई गई हैं वस्तु की कीमत 10 रू. दी हुई हैं, प्रत्येक उत्पादन स्तर पर लाभ की गणना कीजिए। लाभ अधिकतमीकरण निर्गत स्तर ज्ञात कीजिए।

उत्पादन	0	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
कुल लागत इकाई रू.	5	15	22	27	31	38	49	63	81	101	123

© RSCERT
NOT TO BE REPUBLISHED

अध्याय – 5

बाजार सन्तुलन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. सामान्यतः बाजार पूर्ति वक्र होता है–

(अ) धनात्मक ढ़ाल वाला वक्र (ब) ऋणात्मक ढ़ाल वाला वक्र

(स) Y अक्ष के सामान्तर (द) क्षैतिज अक्ष के समान्तर

2. निम्न में से कौनसा समीकरण अधिमाँग को प्रदर्शित करता है –

(अ) बाजार माँग $\geq$ बाजार पूर्ति (ब) बाजार माँग $<$ बाजार पूर्ति

(स) बाजार माँग $\leq$ बाजार पूर्ति (द) बाजार माँग $<$ बाजार पूर्ति

3. यदि बाजार माँग $D = 80\text{-}P$ एवं बाजार पूर्ति $S = 20+P$ है तो सन्तुलन कीमत होंगी –

(अ) 80 (ब) 50 (स) 20 (द) 30

4. यदि माँग एवं पूर्ति दोनो वक्र बांयी ओर खिसक जावें तो सन्तुलन मात्रा पर प्रभाव पड़ेगा –

(अ) कमी होगी (ब) वृद्धि होगी

(स) स्थिर रहेगी (द) अनिश्चित

5. आगत की एक अतिरिक्त इकाई के उपयोग से कुल निर्गत में जो वृद्धि होती हैं कहा जाता है –

(अ) कुल उत्पाद (ब) सीमान्त उत्पाद

(स) औसत उत्पाद (द) सीमान्त आगत

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

6. पूर्ण प्रतिस्पर्धा बाजार में श्रम की मजदूरी होती है–

(अ) मजदूरी = श्रम का सीमान्त उत्पाद

(ब) मजदूरी = श्रम का औसत उत्पाद

(स) मजदूरी > श्रम का सीमान्त उत्पाद

(द) मजदूरी < श्रम का औसत उत्पाद

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न

1. बाजार में फर्मो की संख्या स्थिर रहे तो बाजार में माँग में कमी होने पर सन्तुलन कीमत पर क्या प्रभाव पड़ेगा ?
2. एक बाजार माँग वक्र का ढ़ाल कैसा होता है?
3. एक बाजार पूर्ति वक्र का ढ़ाल कैसा होता है?
4. बाजार मांग क्या दर्शाता है?
5. श्रम बाजार में श्रम की माँग किसके द्वारा की जाती है?
6. श्रम बाजार में श्रम की पूर्ति किसके द्वारा की जाती है?
7. बाजार में वस्तु की पूर्ति में वृद्धि के कोई दो कारण लिखिए।
8. वस्तु बाजार से क्या तात्पर्य है?
9. एक पूर्ण प्रतिस्पर्धा बाजार में बाजार माँग एवं पूर्ति जिस कीमत पर बराबर होती है वह कीमत क्या कहलाती है?
10. राशनिंग से क्या तात्पर्य है?

लघुत्तरात्मक प्रश्न

1. फर्म एवं उद्योग में अन्तर लिखिए।
2. एक उद्योग के साम्य का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
3. पूर्ण प्रतिस्पर्धा बाजार मे सन्तुलन मात्रा का निर्धारण किस प्रकार किया जाता है?
4. यदि बाजार माँग वक्र दायी तरफ तथा पूर्ति वक्र बांयी ओर खिसकता है तो सन्तुलन मात्रा एवं कीमत पर क्या प्रभाव पडेगा?

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

5. यदि बाजार में फर्मो का निर्बाध प्रवेश एवं बहिर्गमन की अनुमति हो, तो माँग में वृद्धि होने पर सन्तुलन मात्रा एवं कीमत पर क्या पड़ेगा?
6. उच्चतम निर्धारित कीमत किसे कहते है?
7. निम्नतम निर्धारित कीमत से क्या तात्पर्य है।
8. श्रम की सीमान्त उत्पादकता से क्या तात्पर्य है।
9. नियन्त्रण कीमत तथा सन्तुलन कीमत में क्या अंतर है?
10. यदि पूर्ति वक्र स्थिर रहे एवं माँग वक्र परिवर्तन हो तब सन्तुलित कीमत एवं मात्रा पर क्या प्रभाव पड़ेगा? रेखाचित्र की सहायता से स्पष्ट कीजिए।
11. श्रम की माँग एवं श्रम की पूर्ति से क्या अभिप्राय है?
12. पूर्ण प्रतिस्पर्धी बाजार में सन्तुलन कीमत एवं मात्रा निर्धारण को रेखाचित्र की सहायता से स्पष्ट कीजिए।
13. यदि बाजार में कारों की कीमतों में वृद्धि हो जाये तो इससे पेट्रोल की कीमत तथा मात्रा पर क्या प्रभाव पड़ेगा ? रेखाचित्र की सहायता से स्पष्ट कीजिए।
14. यदि उपभोक्ता की आय में वृद्धि होती है तो उपभोक्ता के माँग वक्र पर क्या प्रभाव पड़ेगा? रेखाचित्र सहित समझाइये।
15. यदि किसी वस्तु के उत्पादन में प्रयुक्त आगतों की कीमत में वृद्धि हो जाये तो वस्तु की सन्तुलन कीमत एवं मात्रा पर क्या प्रभाव पड़ेगा?
16. अधिमाँग एवं अधिपूर्ति को रेखाचित्र की सहायता से स्पष्ट कीजिए।

निबंधात्मक प्रश्न

1. बाजार सन्तुलन को स्पष्ट कीजिए एवं निम्न स्थितियों में सन्तुलन कीमत एवं मात्रा पर पड़ने वाले प्रभाव रेखाचित्र सहित समझाइये –
   (1) जब माँग वक्र बांयी तरफ ओर पूर्ति वक्र दांयी तरफ शिफ्ट होने पर
   (2) माँग व पूर्ति दोनो वक्र दाई ओर शिफ्ट हो
   (3) जब माँग में वृद्धि एवं पूर्ति में कमी समान मात्रा में हो। (समान अनुपान में)
2. उच्चतम निर्धारित कीमत से क्या तात्पर्य है? इसके प्रभावों को स्पष्ट कीजिए।

© IGNOU NOT TO BE PUBLISHED

3. निम्नतम निर्धारित कीमत को स्पष्ट करते हुए इसके प्रभाव स्पष्ट कीजिए।

4. बाजार साम्य से क्या तात्पर्य है? उपयुक्त उदाहरण एवं रेखाचित्र की सहायता से माँग एवं पूर्ति के साम्य को स्पष्ट कीजिए।

© RSCERT
NOT TO BE REPUBLISHED

अध्याय – 6

प्रतिस्पर्धा रहित बाजार

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. एकाधिकार बाजार की विशेषता है–
   (अ) बाजार में अकेला विक्रेता
   (ब) निकठतम स्थापन्न वस्तु का अभाव
   (स) अन्य फर्मो के प्रवेश पर प्रभावी रोक
   (द) उपर्युक्त सभी

2. एकाधिकार बाजार में माँग वक्र की आकृति होती है–
   (अ) धनात्मक ढ़ाल वाला वक्र
   (ब) ऋणात्मक ढ़ाल
   (स) पूर्णतया लोचदार वक्र
   (द) पूर्णतया बेलोचदार वक्र

3. एकाधिकार बाजार में बाजार माँग वक्र तथा औसत सम्प्राप्ति वक्र में क्या संबंध है–
   (अ) बाजार माँग वक्र ही ओसत सम्प्राप्ति वक्र है
   (ब) बाजार माँग वक्र औसत सम्प्राप्ति वक्र से ऊँचा होता है
   (स) बाजार माँग वक्र, औसत सम्प्राप्ति वक्र से नीचे होता है
   (द) उपर्युक्त में से कोई नही

4. फर्म का लाभ अधिकतम होगा जब–
   (अ) सीमान्त लागत सीमान्त सम्प्राप्ति के बराबर हो
   (ब) सीमान्त लागत सीमान्त सम्प्राप्ति से कम हो
   (स) सीमान्त लागत सीमान्त सम्प्राप्ति से अधिक हो
   (द) उपर्युक्त में से कोई नही
5. कुल सम्प्राप्ति (TR) ज्ञात करने का सूत्र है–
   (अ) कुल सम्प्राप्ति = कीमत–मात्रा
   (ब) कुल सम्प्राप्ति = कीमत x मात्रा
   (स) कुल सम्प्राप्ति = कीमत + मात्रा
   (द) उपर्युक्त में से कोई नही

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

6. जहाँ कुल सम्प्राप्ति अधिकतम होती है, वहाँ पर सीमान्त सम्प्राप्ति होती है–
(अ) अधिकतम (ब) शून्य (स) धनात्मक (द) ऋणात्मक

7. एक अतिरिक्त इकाई की बिक्री से कुल सम्प्राप्ति में होने वाली वृद्धि कहलाती है–
(अ) सीमान्त सम्प्राप्ति (ब) औसत सम्प्राप्ति
(स) सीमान्त लागत (द) कीमत

8. जब कुल सम्प्राप्ति में वृद्धि होती है तो सीमान्त सम्प्राप्ति होती है–
(अ) ऋणात्मक (ब) शून्य
(स) धनात्मक (द) अनन्त

9. जब सीमान्त सम्प्राप्ति धनात्मक होती है तो माँग की कीमत लोच होती है–
(अ) शून्य (ब) इकाई से अधिक
(स) इकाई से कम (द) इकाई

10. एकाधिकार के अन्तर्गत औसत सम्प्राप्ति (AR) एवं सीमान्त सम्प्राप्ति (MR) होते है–
(अ) AR=MR (ब) AR<MR
(स) AR>MR (द) AR≤MR

11. एक एकाधिकारी फर्म होती है–
(अ) केवल कीमत निर्धारक (ब) केवल मात्रा का निर्धारक
(स) कीमत अथवा मात्रा निर्धारक (द) कीमत तथा मात्रा दोनो का निर्धारक

12. एकाधिकार बाजार में दीर्घकाल में फर्म प्राप्त करती है–
(अ) असामान्य लाभ (ब) सामान्य लाभ
(स) हानि (द) उपर्युक्त सभी

13. पूर्ण प्रतिस्पर्धी बाजार में फर्म को दीर्घकाल में होता है –
(अ) लाभ (ब) हानि
(स) सामान्य लाभ (द) तीनो स्थिति सही

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

14. फर्म का लाभ ज्ञात करने का सूत्र है–
(अ) लाभ = कुल सम्प्राप्ति – कुल लागत
(ब) लाभ = कुल सम्प्राप्ति – औसत सम्प्राप्ति
(स) लाभ = कुल सम्प्राप्ति – सीमान्त लागत
(द) लाभ = औसत सम्प्राप्ति – कुल लागत

15. जिस बाजार में विक्रेताओं की संख्या कम होती है, कहलाता है–
(अ) एकाधिकार (ब) अल्पाधिकार
(स) पूर्ण प्रतियोगिता (द) पूर्ण एकाधिकार

16. जिस बाजार में वस्तु का एक ही विक्रेता हो, कहलाता है–
(अ) अल्पाधिकार (ब) पूर्ण प्रतियोगिता
(स) एकाधिकार (द) अपूर्ण प्रतियोगिता

17. एकाधिकार बाजार में वस्तु की कीमत बढ़ती है तो
(अ) माँग मात्रा बढ़ेगी (ब) माँग मात्रा बढ़ेगी
(स) माँग मात्रा अपरिवर्तित रहेगी (द) उपरोक्त में से कोई नही

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

अतिलघुतरात्मक प्रश्न

1. एकाधिकार बाजार से क्या तात्पर्य है ?
2. किस प्रकार के बाजार में एक फर्म कीमत निर्धारक होती है?
3. उत्पादन के सन्तुलन की कौनसी दो विधियाँ है?
4. एकाधिकार का कोई एक दोष लिखिए।
5. अल्पाधिकार से क्या तात्पर्य है?
6. अल्पाधिकार बाजार में कोर्टेल से क्या तात्पर्य है?
7. एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता की उत्पाद विभेद विशेषता स्पष्ट कीजिए।

लघुतरात्मक प्रश्न

1. एकाधिकार बाजार की विशेषताएँ लिखिए।
2. अल्पाधिकार बाजार को परिभाषित कीजिए।
3. क्या एकाधिकार बाजार में माँग वक्र ही औसत सम्प्राप्ति (AR) वक्र होता है ? स्पष्ट करें।
4. क्या एकाधिकार बाजार में फर्म वस्तु की कीमत तथा मात्रा दोनो निर्धारित कर सकती है स्पष्ट करें।
5. कुल सम्प्राप्ति (TR) एवं सीमान्त सम्प्राप्ति (MR) में क्या संबंध है–
6. सीमान्त सम्प्राप्ति तथा माँग की कीमत लोच में सम्बन्ध स्पष्ट कीजिए ।
7. एकाधिकारी प्रतियोगिता की विशेषताएं लिखिए।
8. कुल लागत कुल सम्प्राप्ति विधि द्वारा फर्म की सन्तुलन मात्रा कहाँ निर्धारित होगी?
9. एकाधिकार बाजार के दोष लिखिए।
10. प्रतिस्पर्धी व्यवहार एवं प्रतिस्पर्धी बाजार संरचना में अन्तर स्पष्ट कीजिए ।
11. पूर्ण प्रतिस्पर्धी एवं एकाधिकारी बाजार में चार अन्तर लिखिए ।
12. एकाधिकार में साम्य को स्पष्ट करने वाली कुल आगम कुल लागत वाली विधि की व्याख्या कीजिए ।
13. सीमान्त लागत व सीमान्त आगम विधि से एकाधिकार में सन्तुलन कैसे निर्धारित करते है?
14. एकाधिकारी प्रतियोगिता एवं पूर्ण प्रतियोगिता में अन्तर लिखिए ।
15. एकाधिकार एवं एकाधिकारी प्रतियोगिता में अन्तर लिखिए ।
16. एक फर्म का औसत सम्प्राप्ति वक्र पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत X अक्ष के समान्तर एवं एकाधिकार के अन्तर्गत ऋणात्मक ढ़ाल वाला क्यो होता है?
17. अल्पाधिकार बाजार में फर्मे कैसे परस्पर निर्भर रहती है ? समझाइये।
18. पूर्ण प्रतियोगिता एवं एकाधिकारिक प्रतियोगिता में फर्म का माँग वक्र बनाते हुए इसमें अन्तर को कारण सहित स्पष्ट कीजिए ।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

19. एकाधिकारी प्रतियोगिता, के अन्तर्गत माँग वक्र एकाधिकार के अन्तर्गत माँग वक्र की तुलना में अधिक लोचदार क्यो होता है ? समझाइये।

निबंधात्मक प्रश्न

1. एकाधिकार किसे कहते है? इसकी मुख्य विशेषताएँ क्या है?
2. एकाधिकारी प्रतियोगिता की विशेषताओं की व्याख्या कीजिए। एकाधिकारी प्रतियोगिता एवं एकाधिकार में माँग वक्र की तुलना कीजिए ।
3. एकाधिकारी प्रतियोगिता को परिभाषित कीजिए यह कैसे पूर्ण प्रतियोगिता से भिन्न है?
4. अल्पाधिकार की मुख्य विशेषताओं की व्याख्या कीजिए । गठबंधन तथा गैर गठबंधन अल्पाधिकार में अन्तर भी बताइयें।
5. कुल सम्प्राप्ति, औसत सम्प्राप्ति एवं सीमान्त सम्प्राप्ति को रेखाचित्र की सहायता से स्पष्ट कीजिए।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

समष्टि अर्थशास्त्र

अध्याय-2 राष्ट्रीय आय का लेखांकन

बहुविकल्पीय प्रश्न :-

1. निम्न में से राष्ट्रीय आय की गणना की विधि है:-
   (क) उत्पाद विधि
   (ख) व्यय विधि
   (ग) आय विधि
   (घ) उपर्युक्त सभी
2. वे वस्तुएं जो अन्य वस्तु के उत्पादन में कच्चे माल के रूप में प्रयुक्त होती हैं, कहलाती हैं:-
   (क) मध्यवर्ती वस्तुएँ
   (ख) अंतिम वस्तुएँ
   (ग) पूँजीगत वस्तुएँ
   (घ) उपभोक्ता वस्तुएँ
3. किसी फैक्ट्री में स्थापित मशीन जो कपडे के उत्पादन में सहायक है, वह मशीन किस प्रकार की वस्तु है:-
   (क) अन्तिम वस्तु
   (ख) उपभोक्ता वस्तु
   (ग) पूँजीगत वस्तु
   (घ) मध्यवर्ती वस्तु
4. बेकरी में ब्रेड बनाने के लिए आटे का उपयोग किस प्रकार की वस्तु का उदाहरण है:-
   (क) अन्तिम वस्तु
   (ख) उपभोक्ता वस्तु
   (ग) पूँजीगत वस्तु
   (घ) मध्यवर्ती वस्तु

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

5. सकल निवेश व निवल निवेश का अन्तर है:-
   (क) विनियोग
   (ख) मूल्य ह्रास
   (ग) लाभ
   (घ) ब्याज
6. पूँजीगत वस्तुओं के उदाहरण नहीं हैं:-
   (क) बिजली संयंत्र
   (ख) बाँध व नहरें
   (ग) मशीनें व भवन
   (घ) खाने की वस्तुएं
7. श्रम का पारिश्रमिक कहलाता है:-
   (क) मजदूरी
   (ख) लाभ
   (ग) लगान
   (घ) ब्याज
8. भूमि का पारिश्रमिक कहलाता है:-
   (क) मजदूरी
   (ख) लाभ
   (ग) लगान
   (घ) ब्याज
9. पूंजी का पारिश्रमिक कहलाता है:-
   (क) ब्याज
   (ख) मजदूरी
   (ग) लाभ
   (घ) लगान
10. उद्यमी का पारिश्रमिक कहलाता है:-
   (क) मजदूरी
   (ख) लाभ
   (ग) लगान
   (घ) ब्याज

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

11.वह मात्रा जिसे समय के एक निश्चित बिंदु पर मापा जाता है:-

(क) प्रवाह

(ख) स्टॉक

(ग) स्थिर

(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

12.समय अवधि पर मापी जाने वाली इकाई कहलाती है:-

(क) प्रवाह

(ख) स्टॉक

(ग) स्थिर

(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

13.बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद ज्ञात करने का सूत्र है:-

(क) साधन लागत पर सकल घरेलू उत्पाद+अप्रत्यक्ष कर-उपदान

(ख) साधन लागत पर सकल घरेलू उत्पाद+अप्रत्यक्ष कर

(ग) साधन लागत पर सकल घरेलू उत्पाद-उपदान

(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

14.सकल राष्ट्रीय उत्पाद ज्ञात करने का सूत्र है:-

(क) सकल घरेलू उत्पाद+ विदेशों से प्राप्त निवल कारक आय

(ख) सकल घरेलू उत्पाद- विदेशों से प्राप्त निवल कारक आय

(ग) सकल घरेलू उत्पाद x विदेशों से प्राप्त निवल कारक आय

(घ) सकल घरेलू उत्पाद÷ विदेशों से प्राप्त निवल कारक आय

15.निम्न में से किस मद को निवल/शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद में जोड़ने पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद प्राप्त होगा :-

(क) मूल्य ह्रास

(ख) उत्पादन कर

(ग) विदेशों से प्राप्त निवल

(घ) ब्याज

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

16.राष्ट्रीय आय में शामिल किया जाता है:-

(क) मध्यवर्ती वस्तुओं के मूल्य को

(ख) अंतिम वस्तुओं एवं सेवाओं के मूल्य को

(ग) कच्चे माल के मूल्य को

(घ) मशीनरी के मूल्य को

17.व्यय विधि से सकल घरेलू उत्पाद ज्ञात करने का सूत्र है:-

(क) GDP = C+I+G+X+M

(ख) GDP = C+I+G+X-M

(ग) GDP = C-I+G-X+M

(घ) GDP = C+I+G-X+M

18.आय विधि से सकल घरेलू उत्पाद ज्ञात करने का सूत्र है:-

(क) GDP = $P+I_N+R+W$

(ख) GDP = $P+I_N+R-W$

(ग) GDP = $P-I_N+R-W$

(घ) GDP = $P-I_N-R-W$

19.यदि सकल राष्ट्रीय उत्पाद 500करोड़ रूपए तथा मूल्य ह्रास 40 करोड़ रूपए हो तो निवल राष्ट्रीय उत्पाद होगा :-

(क) 500 करोड़ रूपए

(ख) 540 करोड़ रूपए

(ग) 460 करोड़ रूपए

(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

<u>अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न</u>

1. भारत में राष्ट्रीय आय का लेखांकन कौनसी संस्था करती है?
2. बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद ज्ञात करने का सूत्र लिखिए?
3. बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद ज्ञात करने के लिए साधन लागत पर सकल घरेलू उत्पाद में क्या जोड़ेंगे?
4. सकल राष्ट्रीय उत्पाद ज्ञात करने का सूत्र लिखिए।
5. शुद्ध अप्रत्यक्ष कर ज्ञात करने का सूत्र लिखिए।
6. सकल राष्ट्रीय उत्पाद व सकल घरेलू उत्पाद का अन्तर क्या कहलाता है?

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

7. सकल राष्ट्रीय उत्पाद को निवल/शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद में बदलने के लिए क्या घटाएंगे?
8. शुद्ध/निवल राष्ट्रीय उत्पाद ज्ञात कीजिए यदि सकल राष्ट्रीय उत्पाद 1300 करोड़ रूपए व मूल्य ह्रास 100 करोड़ रूपए है।
9. सकल राष्ट्रीय उत्पाद ज्ञात कीजिए यदि सकल घरेलू उत्पाद 1500 करोड़ रूपए तथा विदेशों से प्राप्त निवल कारक आय 200 करोड़ रूपए है।
10. वैयक्तिक आय किसे कहते हैं?
11. साधन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद को अन्य किस नाम से जाना जाता है?
12. व्यय विधि से सकल घरेलू उत्पाद ज्ञात करने का सूत्र लिखिए।
13. आय विधि से सकल घरेलू उत्पाद ज्ञात करने का सूत्र लिखिए I
14. एक किसान द्वारा थोक बाजार में बेचे गए गेंहू को मध्यवर्ती वस्तु समझा जाएगा या अंतिम वस्तु ?
15. एक अर्थव्यवस्था का सकल घरेलू उत्पाद उसके सकल राष्ट्रीय उत्पाद के बराबर कब होता है?
16. हस्तांतरण भुगतान से क्या अभिप्राय है?
17. राष्ट्रीय आय को मापने की विधियों के नाम लिखिए।
18. निर्यात राष्ट्रीय आय का एक भाग क्यों होता है?
19. मूल्य ह्रास किसे कहते हैं?
20. निवल निवेश का सूत्र बताइए।
21. मूल्य ह्रास का सूत्र लिखिए।
22. किसी मशीन को निरन्तर उपयोग में लेने से उसके वास्तविक मूल्य में आने वाली गिरावट को क्या कहते हैं?
23. प्रवाह किसे कहते हैं? उदाहरण देकर समझाइए।
24. स्टॉक किसे कहते हैं? उदाहरण देकर समझाइए।
25. माल सूची किसे कहते हैं?
26. माल सूची में परिवर्तन का सूत्र लिखिए।
27. सकल घरेलू उत्पाद किसे कहते हैं?
28. सकल राष्ट्रीय उत्पाद किसे कहते हैं?
29. उपभोक्ता कीमत सूचकांक किसे कहते हैं?

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

30. वैयक्तिक प्रयोज्य आय किसे कहते हैं?
31. राष्ट्रीय प्रयोज्य आय किसे कहते हैं?
32. निजी आय किसे कहते हैं?
33. अन्तिम वस्तु किसे कहते हैं?
34. यदि कोई वस्तु पुनः उत्पादन प्रक्रिया के किसी चरण से ना गुजरे तो उस वस्तु को क्या कहेंगे?
35. एक गृहिणी द्वारा अपने परिवार के लिए पकाया गया भोजन किस श्रेणी में रखा जाएगा?
36. राजू अपने घर पर चाय बनाता है उस चाय को बाजार में बेचता है क्या यह चाय अंतिम वस्तु है? यदि हाँ तो क्यों?
37. उपभोग वस्तुओं से क्या तात्पर्य है? उदाहरण दीजिए।
38. पूँजीगत वस्तुएं किन्हें कहते हैं? उदाहरण दीजिए।
39. टिकाऊ उपभोग वस्तुओं से क्या तात्पर्य है? टिकाऊ और गैर-टिकाऊ वस्तुओं में भेद कीजिए।
40. मध्यवर्ती वस्तुएँ किसे कहते हैं? उदाहरण दीजिए।
41. अन्तिम वस्तु के मूल्य में मध्यवर्ती वस्तु का मूल्य शामिल क्यों नहीं किया जाता?
42. उत्पादनों के साधनों के नाम लिखिए।
43. प्रति व्यक्ति आय ज्ञात करने का सूत्र लिखिए ।

<u>लघूत्तरात्मक प्रश्न</u>

1. आय विधि की सहायता से राष्ट्रीय आय के आकलन में बरती जाने वाली सावधानियां बताइए।
2. व्यय विधि द्वारा राष्ट्रीय आय मापने में बरती जाने वाली कोई तीन सावधानियां लिखिए।
3. दोहरी गणना की समस्या स्पष्ट करते हुए इससे बचने का मार्ग बताइए।
4. वास्तविक एवं मौद्रिक सकल राष्ट्रीय उत्पाद में भेद कीजिए ?
5. राष्ट्रीय आय तथा घरेलू आय में अन्तर स्पष्ट कीजिए ?
6. वैयक्तिक आय तथा वैयक्तिक प्रयोज्य आय के सम्बन्ध को प्रकट करने वाला समीकरण लिखिए ?
7. एक देश की घरेलू सीमा से क्या अभिप्राय है?
8. एक देश के सामान्य निवासियों से क्या अभिप्राय है?
9. घरेलू उत्पाद और राष्ट्रीय उत्पाद में भेद कीजिए और ये भी बताइए की घरेलू उत्पाद राष्ट्रीय उत्पाद से अधिक कब हो सकता है?
10. सभी पूंजीगत वस्तुएँ उत्पादक वस्तुएँ होती हैं, क्यों?

@PSEB NOT TO BE REPUBLISHED

11. गैर-आर्थिक क्रियाओं से आपका क्या अभिप्राय है? दो उदाहरण दीजिए।

<u>निबंधात्मक प्रश्न</u>

1. राष्ट्रीय आय ज्ञात करने की तीनों विधियों का वर्णन कीजिए ?
2. निम्न अवधारणाओं को विस्तार से समझाइए :-

(क) बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद

(ख) साधन लागत पर सकल घरेलू उत्पाद

(ग) बाजार कीमत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद

(घ) साधन लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद

3. निम्न अवधारणाओं को विस्तार से समझाइए :-

(क) बाजार कीमत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद

(ख) साधन लागत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद

(ग) बाजार कीमत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद

(घ) साधन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद

4. क्या देश के सकल घरेलू उत्पाद को उस देश की जनसंख्या के कल्याण के सूचक के रूप में जाना जा सकता है, विस्तार से स्पष्ट कीजिए।
5. आय के वर्तुल प्रवाह को विस्तार से समझाइए।

© PSOU
NOT TO BE REPUBLISHED

अध्याय-3 मुद्रा एवं बैंकिंग

बहुविकल्पीय प्रश्न :-

1. मुद्रा के अतिरिक्त अन्य परिसंपत्ति जो मूल्य संचय का कार्य कर सकती है
   (क) सोना
   (ख) भू-संपत्ति
   (ग) बंध पत्र
   (घ) उपरोक्त सभी
2. रिजर्व बैंक ऑफ़ इण्डिया की स्थापना किस सन् में हुई
   (क) 1945
   (ख) 1935
   (ग) 1925
   (घ) 1956
3. केन्द्रीय बैंक के कार्य नहीं हैं:-
   (क) साख सृजन
   (ख) बैंक दर नियन्त्रण
   (ग) कोष अनुपात परिवर्तन
   (घ) खुले बाजार की क्रियाएँ
4. संकुचित मुद्रा कहलाती है:-
   (क) M_1 और M_2
   (ख) M_1 और M_4
   (ग) M_1 और M_3
   (घ) M_3 और M_4
5. व्यापक मुद्रा कहलाती है:-
   (क) M_1 और M_2
   (ख) M_1 और M_4
   (ग) M_1 और M_3
   (घ) M_3 और M_4

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

6. मुद्रा पूर्ति की माप का सबसे साधारण रूप है:-

(क) M_1

(ख) M_2

(ग) M_3

(घ) M_4

7. संव्यवहार के लिए सबसे तरल व आसान मुद्रा है:-

(क) M_1

(ख) M_2

(ग) M_3

(घ) M_4

8. संव्यवहार के लिए सबसे कम तरल व मुद्रा है:-

(क) M_1

(ख) M_2

(ग) M_3

(घ) M_4

9. भारत में विमुद्रीकरण कब किया गया :-

(क) नवम्बर 2016

(ख) अक्टूबर 2016

(ग) नवम्बर 2017

(घ) अक्टूबर 2017

10.विमुद्रीकरण के तहत करेन्सी नोट विधिग्राह्य नहीं रहे:-

(क) 500 और 2000 रुपये के नोट

(ख) 500 और 1000 रुपये के नोट

(ग) 100 और 500 रुपये के नोट

(घ) 1000 और 2000 रुपये के नोट

11.वस्तु विनिमय प्रणाली का दोष है:-

1. आवश्यकता के दोहरे संयोग का अभाव
2. मूल्य मापन का अभाव
3. वस्तु विभाजन का अभाव
4. उपरोक्त सभी

@RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

12.मुद्रा का कार्य है:-

(क) विनिमय का माध्यम

(ख) मूल्य का मापन

(ग) मूल्य संचय का आधार

(घ) उपरोक्त सभी

13.एक व्यक्ति द्वारा मुद्रा की माँग निम्न में से किस उद्देश्य की पूर्ति हेतु की जाती है :-

(क) संव्यवहार उद्देश्य हेतु

(ख) भविष्य की आवश्यकता हेतु

(ग) सट्टा उद्देश्य हेतु

(घ) उपर्युक्त सभी

14.भारतीय रिजर्व बैंक है:-

(क) भारत का केन्द्रीय बैंक

(ख) व्यावसायिक बैंक

(ग) आयात-निर्यात हेतु बैंक

(घ) कृषि बैंक

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

<u>अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न</u>

1. मुद्रा के कोई दो प्राथमिक कार्य लिखिए ।
2. अर्थव्यवस्था में दो प्रकार की संस्थाओं के नाम लिखिए ।
3. स्प्रेड किसे कहते हैं?
4. नेट वर्थ (networth) का सूत्र लिखिए ।
5. आस्तियां व देनदारियों में अन्तर स्पष्ट कीजिए ।
6. समस्त मौद्रिक संसाधन किसे कहते हैं?
7. मुद्रा गुणक व नक़द कोष अनुपात सम्बन्ध सूत्र लिखिए ।
8. CRR -नकद आरक्षित कोष किसे कहते हैं?
9. भारत के केन्द्रीय बैंक का नाम व स्थापना वर्ष लिखिए ।
10. नकद कोषानुपात 20% होने पर बैंक अधिकतम कितना ऋण दे सकता है?
11. मुद्रा के संचलन वेग का आशय बताइए ?
12. मुद्रा की सट्टा माँग को कौनसा कारक निर्धारित करता है?

13.तरलता अधिमान से क्या तात्पर्य है?
14.वस्तु विनिमय प्रणाली किसे कहते हैं?
15.बैंक दर किसे कहते हैं?
16.सर्वाधिक तरल सम्पत्ति कौनसी है ?
17.आवधि जमा किसे कहते हैं?
18.कागजी मुद्रा किसे कहते हैं?
19.भारतीय रिजर्व बैंक के कोई दो कार्य लिखिए।
20.निकट मुद्रा किसे कहते हैं?
21.मुद्रा की कोई दो विशेषताएं लिखिए।
22.मुद्रा की पूर्ति से आप क्या समझते हैं?
23.भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति के कोई दो उपकरण बताइए
24.M_1 में किन किन तत्वों को शामिल किया जाता है?
25.मुद्रा गुणक का सूत्र लिखिए।
26.मुद्रा की पूर्ति M_3 में किन-किन तत्वों को शामिल किया जाता है?
27.केन्द्रीय बैंक की साख नियंत्रण की कोई दो गुणात्मक विधियों या उपकरणों के नाम लिखिए।
28.साख सृजन का कार्य कौन करता है?
29.M_2 में किन-किन तत्वों को शामिल किया जाता है?
30.स्फीति से क्या तात्पर्य है?
31.वाणिज्यिक बैंकों की मांग जमाओं का अर्थ बताओ।
32.ATM सुविधा क्या है?
33.अधिविकर्ष किसे कहते हैं?
34.मुद्रा प्रसार व मुद्रा संकुचन में कोई दो अन्तर लिखिए ?

<u>लघूत्तरात्मक प्रश्न</u>

1. आस्तियों व देनदारियों में अंतर स्पष्ट कीजिए ?
2. भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति के उपकरण लिखिए ?
3. पत्र मुद्रा व धातु मुद्रा में चार अन्तर बताइए ?
4. सांविधिक तरलता अनुपात व नकद आरक्षित अनुपात का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
5. बैंक दर किसे कहते हैं? इससे साख सृजन किस प्रकार प्रभावित होता है?

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

6. रेपो रेट एवं रिवर्स रेपो रेट से क्या तात्पर्य है?
7. तरलता पाश को रेखाचित्र की सहायता से स्पष्ट कीजिए।
8. मुद्रा की माँग के दो उद्देश्य लिखिए।
9. डिजिटल पेमेन्ट से क्या तात्पर्य है?
10. वस्तु विनिमय प्रणाली के दोष लिखिए।
11. मुद्रा के "मूल्य संचय" कार्य की व्याख्या कीजिए ?
12. मुद्रा का अर्थ बताइए, इसके विनिमय का माध्यम कार्य की व्याख्या कीजिए ?
13. मुद्रा के "लेखे की इकाई" कार्य की व्याख्या कीजिए ?
14. व्यावसायिक बैंकों के किन्हीं दो कार्यों का वर्णन कीजिए।
15. सट्टे के लिए मुद्रा की माँग का रेखाचित्र बनाइए।
16. केन्द्रीय बैंक या भारतीय रिजर्व बैंक के कार्य लिखिए।
17. आप वस्तु विनिमय तथा मुद्रा विनिमय में से किसका चयन करेंगे? कोई तीन कारण बताइए।
18. व्यापारिक बैंक द्वारा साख सृजन किस प्रकार किया जाता है?
19. मुद्रा की मांग के संव्यवहार प्रयोजन को स्पष्ट कीजिए।
20. मुद्रा की मांग के सट्टा प्रयोजन को स्पष्ट कीजिए।
21. "मुद्रा साधन है, साध्य नहीं" स्पष्ट कीजिए ।

<u>निबंधात्मक प्रश्न</u>

1. मुद्रा की पूर्ति कि संकुचित व व्यापक अवधाराणाओं को स्पष्ट कीजिए।
2. एक बैंक द्वारा साख सृजन की प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए।
3. सट्टे के लिए मुद्रा की माँग और ब्याज दर में सम्बन्ध स्पष्ट कीजिए।
4. मुद्रा की माँग के दो प्रयोजनों को स्पष्ट कीजिए।
5. केन्द्रीय बैंक तथा व्यापारिक बैंक में अन्तर स्पष्ट कीजिए ?
6. मुद्रा के प्राथमिक एवं द्वितीयक कार्यों की व्याख्या कीजिए।
7. केन्द्रीय बैंक द्वारा साख की मात्रा के नियंत्रण हेतु अपनाई जाने वाली विधियों का वर्णन कीजिए।
8. केन्द्रीय बैंक की परिभाषा देते हुए इसके मुख्य कार्यों का वर्णन कीजिए।
9. वाणिज्यिक बैंक की परिभाषा देते हुए इसके मुख्य कार्यों की व्याख्या कीजिए।
10. व्यापारिक बैंकों द्वारा साख सृजन को प्रभावित करने वाले तत्वों को स्पष्ट कीजिए अर्थात साख सृजन की सीमाएं लिखिए।

© PSEB NOT TO BE REPUBLISHED

अध्याय-4 आय और रोजगार के निर्धारण

बहुविकल्पीय प्रश्न :-

1. समीकरण C= C +c.Y में C क्या दर्शाता है?
   (क) निवेश का स्तर
   (ख) उपभोग का जीवन निर्वाह स्तर
   (ग) बचत का न्यूनतम स्तर
   (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं
2. जब सीमान्त बचत प्रवृत्ति शून्य हो तो सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति का क्या मूल्य होगा?
   (क) 1
   (ख) 0
   (ग) -1
   (घ) ∞
3. औसत उपभोग प्रवृत्ति(APC) का सूत्र है:-
   (क) $\frac{C}{Y}$
   (ख) $\frac{S}{Y}$
   (ग) $\frac{\Delta C}{\Delta Y}$
   (घ) $\frac{\Delta S}{\Delta Y}$
4. जब अर्थव्यवस्था में माँग की तुलना में पूर्ति अधिक हो तो इस अवस्था को क्या कहेंगे ?
   (क) अधिपूर्ति
   (ख) अधिनिवेश
   (ग) अधि उत्पाद
   (घ) अधिमाँग

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

5. जब अर्थव्यवस्था में माँग की तुलना में पूर्ति कम हो तो इस अवस्था को क्या कहेंगे?
   (क) अधिमाँग
   (ख) अधिपूर्ति
   (ग) अधिनिर्गत
   (घ) अधिउपभोग
6. यदि अर्थव्यवस्था में अतिरेक माँग की स्थिति होती है, तो सरकार कैसा बजट बनाती है?
   (क) बचत का बजट
   (ख) घाटे का बजट
   (ग) संतुलित बजट
   (घ) शून्य बजट
7. रोजगार गुणक की अवधारणा किसके द्वारा प्रतिपादित की गई:-
   (क) जे एम् कीन्स
   (ख) आर एफ काहन
   (ग) रिचर्ड गुडविन
   (घ) जे एस ड्युसनबरी
8. समग्र माँग किसके बराबर होती है?
   (क) I+S
   (ख) C+I
   (ग) शून्य
   (घ) अनन्त
9. निर्गत गुणक का सूत्र है:-
   (क) $\frac{\Delta Y}{\Delta A}$
   (ख) $\frac{\Delta Y}{\Delta I}$
   (ग) $\frac{\Delta C}{\Delta Y}$
   (घ) $\frac{\Delta A}{\Delta Y}$

@RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

10. निम्न समीकरण में से कौनसा समीकरण सही हैं :-

(क) mpc+mps = 1

(ख) mpc-mps = 1

(ग) mpc*mps =

(घ) mpc÷mps = 1

11. यदि सीमान्त बचत प्रवृत्ति का माप .4 है तो सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति का मूल्य होगा :-

(क) .4

(ख) .6

(ग) .8

(घ) 1

12. अर्थव्यवस्था उस समय संतुलन की अवस्था में होती है, जब :-

(क) कुल माँग कुल पूर्ति के बराबर होती है

(ख) कुल माँग >कुल पूर्ति

(ग) कुल माँग< कुल पूर्ति

(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

13. एक अर्थव्यवस्था में लोग यदि अर्थव्यवस्था की कुल अतिरिक्त आय का जितना अंश बचाना चाहती है, उसे क्या कहते हैं?

(क) सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति

(ख) सीमान्त उत्पादन प्रवृत्ति

(ग) सीमान्त बचत प्रवृत्ति

(घ) सीमान्त निवेश पद्धति

<u>अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न</u>

1. यथार्थ माप को परिभाषित कीजिए।
2. प्रत्याशित माप से आपका क्या अभिप्राय है?
3. सेटेरिस पारिबस (Ceteris Paribus) की मान्यता का क्या अर्थ है?
4. सीमान्त बचत प्रवृत्ति व सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति में सम्बन्ध बताइए।
5. बचत किसे कहते हैं?
6. अधिमाँग के कोई दो कारण लिखिए।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

7. उपभोग प्रवृत्ति की कोई दो विशेषताएं बताइए।
8. MPC का अधिकतम व न्यूनतम मूल्य लिखिए।
9. यदि सीमान्त बचत प्रवृत्ति 0.2 है तो गुणक का मान ज्ञात कीजिए ?
10. यदि MPC सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति का मान 0.5 हो तो गुणक का मान ज्ञात कीजिए।
11. एक खुली अर्थव्यवस्था में समग्र माँग के कौन-कौनसे घटक होंगे?
12. किसी अर्थव्यवस्था में घरेलू उपभोग माँग के स्तर को प्रभावित करने वाला मुख्य तत्व होगा?
13. प्रभावी माँग या प्रभावपूर्ण माँग से क्या तात्पर्य है?
14. यदि अर्थव्यवस्था में अल्पमाँग की स्थिति रहती है तो सरकार कैसा बजट बनाती है?
15. सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति में वृद्धि का उत्पादन स्तर एवं आय के स्तर पर क्या प्रभाव पड़ता है?
16. सीमान्त बचत प्रवृत्ति में वृद्धि होने पर गुणक पर क्या प्रभाव पडेगा?
17. उपभोग फलन को परिभाषित कीजिए।
18. स्वायत्त उपभोग का अर्थ लिखिए।
19. समग्र माँग का अर्थ बताइए।
20. सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति एवं निवेश गुणक के बीच सम्बन्ध कैसा होता है ?
21. कीन्स के अनुसार आय तथा रोजगार का स्तर किस पर निर्भर करता है?
22. कीन्स का उपभोग का मनोवैज्ञानिक नियम क्या है?

<u>लघूत्तरात्मक प्रश्न</u>

1. सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति (MPC) की परिभाषा दीजिए, इसे ज्ञात करने का सूत्र भी लिखिए।
2. सीमान्त बचत प्रवृत्ति(MPS) को परिभाषित कीजिए।
3. पैरामेट्रिक शिफ्ट से आप क्या समझते हैं?
4. कीन्स का उपभोग का मनोवैज्ञानिक नियम क्या है?
5. मितव्ययिता का विरोधाभास स्पष्ट कीजिए।
6. प्रत्याशित निवेश और यथार्थ निवेश में क्या अंतर है?
7. निवेश गुणक ज्ञात करने का सूत्र लिखकर परिभाषित कीजिए।
8. प्रभावी माँग का सिद्धान्त क्या है?
9. गुणक को प्रभावित करने वाले कोई दो तत्व बताइए।
10. यदि निवेश में वृद्धि 50 करोड़ रुपये की है तथा सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति 0.9 है तो राष्ट्रीय आय में वृद्धि की गणना कीजिए।
11. चित्र की सहायता से समग्र माँग वक्र तथा समग्र पूर्ति वक्र की व्याख्या कीजिए।

© RSCERT NOT TO BE PUBLISHED

12. समष्टि अर्थशास्त्र में अधिमाँग क्या है? अधिमाँग का उत्पादन, रोजगार तथा कीमतों पर क्या प्रभाव पड़ता है?
13. स्फीतिक अंतराल को रेखाचित्र की सहायता से स्पष्ट कीजिए।
14. औसत उपभोग प्रवृत्ति एवं सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति में अंतर बताइए, इन दोनों में से किसका मूल्य इकाई से अधिक हो सकता है एवं किस स्थिति में इकाई से अधिक हो सकता है?
15. पूर्ण रोजगार संतुलन से क्या तात्पर्य है?
16. यदि अर्थव्यवस्था में अतिरेक मांग (मांगाधिक्य) की स्थिति है तो कैसी मौद्रिक एवं राजकोषीय नीति अपनाई जानी चाहिए ?
17. किसी अर्थव्यवस्था में वास्तविक बचत तथा प्रत्याशित बचत से क्या अभिप्राय है?
18. उपभोग प्रवृत्ति की तीन विशेषताएं लिखिए।
19. प्रेरित निवेश एवं स्वायत्त निवेश से क्या अभिप्राय है?
20. गुणक को प्रभावित करने वाले कोई तीन तत्व बताइए।

<u>निबंधात्मक प्रश्न</u>

1. निवेश फलन किसे कहते हैं? उपयुक्त चित्र द्वारा स्पष्ट करें।
2. अर्थव्यवस्था में दो सेक्टर मॉडल में आय निर्धारण को स्पष्ट कीजिए।
3. लघु अवधि में स्थिर कीमत स्तर के साथ समष्टि अर्थशास्त्रीय संतुलन को रेखाचित्र की सहायता से स्पष्ट कीजिए।
4. गुणक क्या है? इसकी गणना कैसे की जाती है? उदाहरण सहित समझाइए।
5. समग्र माँग में परिवर्तन का आय तथा उत्पादन पर प्रभाव को रेखाचित्र द्वारा स्पष्ट कीजिए।
6. उपभोग प्रवृत्ति किसे कहते हैं? उपभोग प्रवृत्ति को बढाने के उपाय बताइए ।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

अध्याय-5

सरकारी बजट एवं अर्थव्यवस्था

बहुविकल्पीय प्रश्न :-

1. भारत में वस्तु एवं सेवाकर (GST) कब लागू किया गया?
   (क) जुलाई 2019
   (ख) जुलाई 2018
   (ग) जुलाई 2017
   (घ) जुलाई 2016
2. राजस्व घाटा ज्ञात करने का सूत्र है:-
   (क) राजस्व घाटा = राजस्व व्यय + राजस्व प्राप्तियाँ
   (ख) राजस्व घाटा = राजस्व व्यय - राजस्व प्राप्तियाँ
   (ग) राजस्व घाटा = राजस्व व्यय x राजस्व प्राप्तियाँ
   (घ) राजस्व घाटा = राजस्व व्यय ÷ राजस्व प्राप्तियाँ
3. वर्तमान में वस्तु एवं सेवाकर से बाहर रखा गया है:-
   (क) पेट्रोलियम पदार्थ
   (ख) मादक पेय पदार्थ
   (ग) तम्बाकू पदार्थ
   (घ) डेयरी उत्पाद
4. वस्तु एवं सेवाकर तथा केन्द्रीय उत्पाद कर दोनों लगते हैं:-
   (क) तम्बाकू तथा तम्बाकू पदार्थ
   (ख) पेट्रोलियम पदार्थ
   (ग) मादक पेय पदार्थ
   (घ) डेयरी उत्पाद

© RSCERT NOT TO BE PUBLISHED

5. संतुलित बजट गुणक का मान कितना होता है?

(क) 1

(ख) 2

(ग) 3

(घ) 4

6. सरकार की राजकोषीय नीति के प्रमुख अंग कौनसे हैं?

(क) कर

(ख) सार्वजनिक व्यय

(ग) सार्वजनिक ऋण

(घ) उपर्युक्त सभी

7. सकल प्राथमिक घाटा ज्ञात करने का सूत्र है:-

(क) सकल प्राथमिक घाटा = सकल राजकोषीय घाटा+निवल ब्याज दायित्व

(ख) सकल प्राथमिक घाटा = सकल राजकोषीय घाटा - निवल ब्याज दायित्व

(ग) सकल प्राथमिक घाटा = राजस्व घाटा+निवल ब्याज दायित्व

(घ) सकल प्राथमिक घाटा = राजस्व घाटा - निवल ब्याज दायित्व

8. यदि अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति की स्थिति है तो सरकार की कर नीति होगी :-

(क) करों में वृद्धि करेगी

(ख) करों में कमी करेगी

(ग) करों में कोई परिवर्तन नहीं

(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

9. निम्न करों में से कौनसा कर अप्रत्यक्ष कर की श्रेणी में नहीं आता है

(क) उत्पादन शुल्क

(ख) सीमा शुल्क

(ग) सेवा शुल्क

(घ) आयकर

© RSCERT
NOT TO BE REPUBLISHED

10.सरकार के गैर कर राजस्व में किस मद को शामिल किया जाएगा?

(क) ब्याज प्राप्तियां

(ख) सरकार के निवेश से प्राप्त शुल्क

(ग) सरकार द्वारा प्रदत्त सेवाओं से प्राप्त शुल्क

(घ) उपर्युक्त सभी

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

1. बजट से आप क्या समझते हैं?
2. मुफ्तखोर किसे कहते हैं?
3. गैर योजनागत व्यय के प्रमुख मद लिखिए।
4. "कागजी कर" किसे कहा जाता है?
5. संतुलित बजट को परिभाषित कीजिए।
6. बजटीय घाटा किसे कहते हैं?
7. भारत में वस्तु एवं सेवा कर (GST) की मानक दरें कौनसी हैं?
8. कर की दो विशेषताएं बताइए।
9. प्रत्यक्ष करों के कोई दो गुण बताइए।
10. गैर कर आगम किसे कहते हैं?
11. राजकोषीय घाटा किसे कहते हैं?
12. प्रगतिशील कर से क्या तात्पर्य है?
13. राजकोषीय नीति के प्रमुख अंग कौन-कौनसे हैं?
14. कोई एक गैरयोजनागत राजस्व व्यय की मद का नाम बताइए।
15. सरकार द्वारा भवन निर्माण किस प्रकार की मद है?
16. सरकारी व्यय गुणक ज्ञात करने का सूत्र लिखिए।
17. जब बजट में व्यय, प्राप्तियों से अधिक होता है तो उसे क्या कहा जाता है?
18. पूँजीगत प्राप्तियों की सबसे महत्वपूर्ण मद कौनसी है?
19. भारत में वित्तीय वर्ष कब से कब तक होता है?
20. प्रत्यक्ष कर किसे कहते हैं?
21. अप्रत्यक्ष कर किसे कहते हैं?
22. गैर कर आगम किसे कहते हैं?
23. करों का प्रयोज्य आय तथा उपभोग पर क्या प्रभाव पड़ता है?

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

<u>लघूत्तरात्मक प्रश्न</u>

1. राजस्व प्राप्तियों व पूँजीगत प्राप्तियों में भेद कीजिए।
2. अंतर स्पष्ट कीजिए:-
   (क) प्रत्यक्ष कर एवं अप्रत्यक्ष कर
   (ख) राजस्व व्यय एवं पूँजीगत व्यय
3. बजट घाटे के फलस्वरूप किस प्रकार कीमतों में वृद्धि होती हैं?
4. कर राजस्व और गैर-कर राजस्व के दो-दो उदाहरण लिखिए।
5. यदि किसी केन्द्रीय बजट में कुल व्यय 80 हजार करोड़ रुपये तथा कुल प्राप्तियां 65 हजार करोड़ रुपये हैं तो बजटीय घाटे की गणना कीजिए।
6. संतुलित बजट, बचत बजट एवं घटे के बजट में क्या अंतर है?
7. सरकारी बजट के कोई दो उद्देश्य लिखिए।
8. सार्वजनिक वस्तु एवं निजी वस्तु में कोई एक अंतर बताइए।
9. राजस्व व्यय व पूँजीगत व्यय में एक अंतर बताइए।
10. करारोपण के कोई दो उद्देश्य लिखिए।
11. सार्वजनिक व्यय में वृद्धि के कोई दो कारण बताइए।
12. आनुपातिक कर प्रणाली एवं प्रगतिशील कर प्रणाली में अन्तर बताइए।
13. सरकारी घाटे को कम करने हेतु किए जाने वाले कोई दो उपाय लिखिए।
14. योजनागत व गैर-योजनागत राजस्व व्यय से आपका क्या अभिप्राय है?

<u>निबंधात्मक प्रश्न</u>

1. बजट से आपका क्या अभिप्राय है? बजट के प्रमुख घटकों को स्पष्ट कीजिए।
2. सरकारी बजट में घाटे के माप को स्पष्ट कीजिए।
3. राजकोषीय नीति से क्या आशय है? राजकोषीय नीति के प्रमुख उपकरणों को स्पष्ट कीजिए।
4. वस्तु एवं सेवाकर(GST) से आप क्या समझते हैं? पुरानी कर व्यवस्था के मुकाबले GST व्यवस्था कितनी श्रेष्ठ है? इसकी श्रेणियों की व्याख्या कीजिए।
5. सरकारी व्यय तथा करों में परिवर्तन का संतुलित आय पर क्या प्रभाव पड़ता है? रेखाचित्र की सहायता से स्पष्ट कीजिए।
6. यदि सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति 0.8 हो तथा I=100,T=30,G=80,TR=60 हो तो सरकारी व्यय गुणक, कर गुणक तथा अंतरण गुणक की गणना कीजिए।

© NCERT NOT TO BE REPUBLISHED

7. यदि अर्थव्यवस्था में C=50+.6Y , I = 100 , G=50, T=40, TR=60 है , किसी अर्थव्यवस्था में सरकारी व्यय में 30 की वृद्धि होने पर संतुलित आय पर क्या प्रभाव पडेगा?
8. सार्वजनिक आय के प्रमुख स्रोतों का वर्णन कीजिए।
9. सार्वजनिक व्यय से आप क्या समझते हैं? सार्वजनिक व्यय के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

© RSCERT
NOT TO BE REPUBLISHED

अध्याय-6 खुली अर्थव्यवस्था

बहुविकल्पीय प्रश्न :-

1. चालू खाते में निम्न में से किस मद को शामिल किया जाता है:-
   (क) वस्तुओं का आयात-निर्यात
   (ख) सेवाओं का आयात-निर्यात
   (ग) अंतरण भुगतान
   (घ) उपर्युक्त सभी
2. चालू खाते के संतुलन की स्थिति है:-
   (क) जब प्राप्तियां भुगतान से अधिक हों
   (ख) जब प्राप्तियां भुगतान से कम हों
   (ग) जब प्राप्तियां और भुगतान बराबर हों
   (घ) उपर्युक्त सभी
3. नई विनिमय प्रणाली ब्रेटन वुड्स किस वर्ष शुरू की गई?
   (क) 1942
   (ख) 1943
   (ग) 1944
   (घ) 1945
4. खुली अर्थव्यवस्था में गुणक ज्ञात करने का सूत्र है:-
   (क) $\frac{1}{1-c}$
   (ख) $\frac{1}{1+m}$
   (ग) $\frac{1}{1-c+m}$
   (घ) $\frac{1}{1-c-m}$

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

5. इक्वाडोर ने डॉलरीकरण की नयी व्यवस्था किस वर्ष अपनाई?

(क) 1992

(ख) 2000

(ग) 2001

(घ) 2002

6. जिस विनिमय दर का निर्धारण बजट की माँग एवं पूर्ति की शक्तियों द्वारा होता है, उसे कहते हैं :-

(क) तिरती विनिमय दर

(ख) सरकारी दर

(ग) प्रबंधित तिरती दर

(घ) स्थिर विनिमय दर

7. यूरोपीय संघ के कितने सदस्यों ने यूरो को मान्यता दी है:-

(क) 25

(ख) 12

(ग) 11

(घ) 24

8. 1991 में किस देश ने मुद्रा बोर्ड प्रणाली अपनायी :-

(क) अर्जेंटीना

(ख) इक्वाडोर

(ग) फ्रांस

(घ) जापान

9. ब्रेटन वुड्स पद्धति के मुख्य आलोचक रहे हैं:-

(क) रॉबिन्सन

(ख) कीन्स

(ग) रोबर्ट ट्रीफिन

(घ) मार्शल

(ङ)

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

10. यदि विदेशी विनिमय बाजार में 2 डॉलर हेतु 100 रूपए का भुगतान करना [redacted] तो विनिमय दर क्या होगी?

(क) 100

(ख) 50

(ग) 200

(घ) 2

11. बंद अर्थव्यवस्था में गुणक ज्ञात करने का सूत्र है:-

(क) $\frac{1}{1-c}$

(ख) $\frac{1}{1+m}$

(ग) $\frac{1}{1-c+m}$

(घ) $\frac{1}{1-c-m}$

12. खुली अर्थव्यवस्थाओं के जुड़ाव के तरीके हैं:-

(क) निर्गत बाजार

(ख) वित्तीय बाजार

(ग) श्रम बाजार

(घ) उपर्युक्त सभी

13. अन्तर्राष्ट्रीय स्थिति मेनुअल (BPM) के छठे संस्कार के अनुसार अदायगी संतुलन खाता है:-

(क) चालू खाता

(ख) वित्तीय खाता

(ग) पूँजी खाता

(घ) उपर्युक्त सभी

14. तेल की कीमतों में अत्यधिक वृद्धि व खाड़ी संकट कब पैदा हुआ?

(क) 1990

(ख) 1980

(ग) 1995

(घ) 1985

© NCERT NOT TO BE REPUBLISHED

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

1. विदेशों से वस्तुएं खरीदना हमारे देश का .....है तथा यह विदेश की ..... है।
2. प्रबंधित तिरती विनिमय दर ..... और ..... का मिश्रण है।
3. अदायगी संतुलन में किसी देश का ..... के साथ लेन-देन का उल्लेख होता है।
4. मौद्रिक विनिमय दर घरेलू मुद्रा के रूप में विदेशी मुद्रा की ..... की कीमत है।
5. खुली अर्थव्यवस्था गुणक बंद अर्थव्यवस्था गुणक से ..... होता है।

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

1. खुली अर्थव्यवस्था किसे कहते हैं?
2. बंद अर्थव्यवस्था किसे कहते हैं?
3. आयात किसे कहते हैं?
4. निर्यात किसे कहते हैं?
5. चालू खाते में संतुलन की स्थिति बताइए।
6. अंतरण अदायगी का एक उदाहरण दीजिए।
7. वृद्धावस्था पेंशन योजना किसका उदाहरण है?
8. वस्तुओं व सेवाओं का आयात करने से देश की वस्तुओं व सेवाओं पर क्या प्रभाव पड़ता है?
9. वस्तुओं व सेवाओं का निर्यात करने से देश की वस्तुओं व सेवाओं पर क्या प्रभाव पड़ता है?
10. व्यापार आधिक्य किसे कहते हैं?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. खुली अर्थव्यवस्था के लाभ बताइए।
2. विदेशी विनिमय दर किसे कहते हैं? उदाहरण द्वारा समझाइए।
3. अदायगी संतुलन किसे कहते हैं?
4. अंतरण भुगतान से आप क्या समझते हैं?
5. चालू खाता किसे कहते हैं? चालू खाते के घटकों के नाम लिखिए।
6. व्यापार संतुलन किसे कहते हैं?
7. पूँजी खाता किसे कहते हैं? इसके घटक लिखिए।
8. अवमूल्यन किसे कहते हैं?

© NCERT NOT TO BE REPUBLISHED

9. फोटेक्स दर क्या है?
10. तिरती विनिमय दर संतुलन का रेखाचित्र बनाइए।
11. अवमूल्यन व मूल्यह्रास में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
12. मौद्रिक विनिमय दर व वास्तविक विनिमय दर में भेद कीजिए।
13. यदि c=0.8 और m=0.3 हो तो बंद और खुली अर्थव्यवस्था के गुणक प्राप्त कीजिए।
14. खुली अर्थव्यवस्था स्वायत्त व्यय खर्च गुणक बंद अर्थव्यवस्था के गुणक की तुलना में छोटा क्यों होता है?

<u>निबंधात्मक प्रश्न</u>

1. चालू खाता किसे कहते हैं ? चालू खाते के घटकों को विस्तार से समझाइए।
2. पूँजी खाता किसे कहते हैं? पूँजी खाता के सभी घटकों को विस्तार से समझाइए।
3. विनिमय दर की ब्रेटन वुड्स प्रणाली पर विस्तृत लेख लिखिए।
4. भुगतान संतुलन से आप क्या समझते हैं ? भुगतान संतुलन की सभी मदें समझाइए।
5. एक खुली अर्थव्यवस्था में राष्ट्रीय आय के निर्धारक को स्पष्ट कीजिए।
6. क्या केन्द्रीय बैंक प्रबंधित तिरती व्यवस्था में हस्तक्षेप करेगा? व्याख्या कीजिए।

© RSOU
NOT TO BE REPUBLISHED

मॉडल प्रश्न पत्र–1

2021–22

विषय – अर्थशास्त्र (कला– वाणिज्य)

खण्ड–अ

1. बहुविकल्पी प्रश्न – (एक अंक प्रत्येक)

1. जनरल थ्योरी ऑफ इम्प्लायमेंट इंटरेस्ट एण्ड मनी पुस्तक के लेखक कौन है।

   (अ) एडम स्मिथ (ब) पीगू

   (स) जॉन मेनार्ड कीन्स (द) रॉबिन

2. श्रम का पारिश्रमिक कहलाता है।
   (अ) मजदूरी (ब) लाभ
   (स) लगान (द) ब्याज

3. वे वस्तुए जो अन्य वस्तु के उत्पादन में कच्चे माल के रूप में प्रयुक्त होती हैं, कहलाती है।
   (अ) मध्यवर्ती वस्तुएँ (ब) अन्तिम वस्तुएँ
   (स) पूँजीगत वस्तुएँ (द) उपभोक्ता वस्तुएँ

4. रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया की स्थापना किस वर्ष में हुई।
   (अ) 1945 (ब) 1935
   (स) 1925 (द) 1956

5. व्यापक मुद्रा कहलाती है।
   (अ) M_1और M_2 (ब) M_1और M_4
   (स) M_1और M_3 (द) M_3और M_4

6. केन्द्रीय बैंक के कार्य नही है।
   (अ) साख सृजन (ब) बैंक दर नियंत्रण
   (स) कोष अनुपात परिर्वतन (द) खुले बाजार की क्रियाएं

7. रोजगार के स्तर मे गिरावट, मॉग मे गिरावट जैसी बाजार की स्थितियों को कहते है?
   (अ) मंदी (ब) तेजी
   (स) स्थिरता (द) उपर्युक्त मे से काई नहीं

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

8. निम्न करो में से कौनसा कर अप्रत्यक्ष कर नहीं हैं। ?
   (अ) उत्पादन कर (ब) सीमा कर
   (स) सेवा कर (द) आयकर
9. यदि अर्थव्यवस्था मे मुद्रा स्फीति की स्थिति है तो सरकार की कर नीति होगी।
   (अ) सरकार करों मे वद्धि करेगीं (ब) सरकार करो मे कमी करेगी
   (स) सरकार करों मे परिवर्तन नहीं करेगी (द) कोई नहीं

10. अर्थशास्त्र की वह शाखा जिसमें वैयक्तिक इकाइयों का विश्लेषण किया जाता है, कहलाती है।
   (अ) समष्टी (ब) व्यष्टि
   (स) मौद्रिक (द) विकास का अर्थशास्त्र

11. मुख्य आर्थिक समस्या नहीं है।
   (अ) क्या उत्पादन करे (ब) कैसे उत्पादन करे
   (स) किसको उत्पादन का वितरण करें (द) निर्धन कैसे बने

12. उपयोगिता का क्रमवाचक विश्लेषण किस अर्थशास्त्री ने दिया।
   (अ) मार्शल (ब) पीगू
   (स) एड्म स्मिथ (द) हिक्स

13. nवीं इकाई की सीमान्त उपयोगिता की गणना का सूत्र है।
   (अ) $Mu_n = Tu_n - Tu_{n-1}$ (ब) $Mu_n = Tu_n - Tu_{n+1}$
   (स) $Mu_n = \frac{Tu_n + Tu_{n-1}}{2}$ (द) $Mu_n = Tu_n - Tu_{n+}$

14. आयताकार अतिपरवलय माँग वक्र मे माँग की कीमत लोच होती है।
   (अ) इकाई मे अधिक (ब) इकाई से कम
   (स) इकाई (द)उपोक्त तीनों

15. औसत स्थिर लागत वक्र की आकृति होती है–
   (अ) क्षैतिजीय (ब) आयताकर अतिपरवलय
   (स) ऊर्ध्वाधर (द) यू आकार

16. सीमान्त उत्पाद का सूत्र है।
   (अ) TP/Q (ब) $\Delta TP/\Delta Q$
   (स) APx Q (द) PxQ

17. गिफिन वस्तु में कीमत व माँग के बीच सम्बन्ध पाया जाता है।
   (अ) धनात्मक (ब) ऋणात्मक
   (स) शून्य (द) उपर्युक्त मे से कोई नहीं

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

18. परिवर्ती अनुपात नियम के अन्तर्गत कहॉ कुल उत्पादन अधिकतम होता है वहा सीमान्त उत्पादन होगा।

(अ) धनात्मक (ब) ऋणात्मक

(स) शून्य (द) न्यूनतम

2. रिक्त स्थान की पूति करों (एक अंक प्रत्येक)

1. साधन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद को..... कहतें है।
2. भारत मे राष्ट्रीय आय का लेखांकन ..... संस्था करती है।
3. शुद्ध अप्रत्यक्ष कर ज्ञात करने का सूत्र ..... लिखिए।
4. सर्वाधिक तरल सम्पति कौनसी होती है।

3. अतिलघुत्रात्मक प्रश्न

5. नकद कोषानुपात किसे कहते है ?
6. संतुलित बजट किसे कहते है ?
7. यदि किसी वर्ष केन्द्रीय बजट में कुल व्यय 80,000 करोड़ रूपये तथा कुल प्राप्तियॉ 65,000 करोड़ रूपये है तो बजटीय घाटा ज्ञात कीजिए।
8. किसी एक वस्तु की एक अतिरिक्त इकाई को प्राप्त करने हेतु दुसरी वस्तु की जितनी मात्रा छोडनी पडती है उसे क्या कहते है?
9. तटस्थता वक्र मुल बिन्दु के उन्नोतदर क्यों होते है?
10. उत्पादन फलन की परिभाषा दीजिए।
11. अल्पकाल मे परिवर्ती आगतो के दो उदाहरण लिखिए।
12. पूर्ण प्रतियोगी बाजार में फर्म की कुल संप्राप्ति ज्ञात करने का सूत्र बताइये।

खण्ड–ब (दो अंक प्रत्येक)

4. केन्द्रीयकृत योजना बद्ध अर्थव्यवस्था एंव बाजार अर्थव्यवस्था मे दो अन्तर लिखिए।

5. निम्नलिखित में से किसे राष्ट्रीय आय मे शामिल नहीं किया जायेगा।

1. लाटरी से जीता इनाम 2. स्वउपभोग लिए कृषि उत्पादन
3. वृद्धावस्था पेंशन 4. नई कार खरीदना

6. रेपोरेट एवं रिवर्स रेपोरेट से क्या तात्पर्य है ?

7. कागजी कर किसे कहा जाता है ?

8. बचत बजट एवं घाटे के बजट मे दो अन्तर लिखिए।

9. कर राजस्व और गैर कर राजस्व में दो–दो उदाहरण दीजिए।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

10. सार्वजनिक व्यय में वद्धि मे कोई दो कारण बताइये।

11. व्यष्टि अर्थशास्त्र की परिभाषा लिखिये।

12. बजट रेखा की गणितीय समीकरण लिखिये। (वस्तु x,y एवं x की कीमत p x y की कीमत py)

13 निम्नलिखित मांग वक्रो की कीमत लोच कितनी होगी।

1. x अक्ष के समानान्तर (सीधी रेखा)
2. y अक्ष के समानान्तर (सीधी रेखा)

14. उत्पादन वृद्धि मे साथ–साथ औसत स्थिर लागत मे परिवर्तन किस तरह का होता हैं ?

15. पूर्ति के नियम की दो मान्यताएँ लिखिये।

16. संतुलित कीमत से क्या तात्पर्य है ?

खण्ड–स (तीन अंक प्रत्येक)

17. राष्ट्रीय आय तथा घरेलू आय में अन्तर स्पष्ट कीजिये।

अथवा

व्यय विधि द्वारा राष्ट्रीय आय मापने मे बरती जाने वाली तीन सावधानियॉ लिखिये।

18. मुद्रा की पूर्ति की संकुचित व व्यापक अवधारणाओं को स्पष्ट कीजिये।

अथवा

एक बैंक द्वारा साख सृजन की प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए।

19. उत्पादन संभावना वक्र बनाकर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

बाजार अर्थव्यवस्था में उत्पादन विनिमय तथा उपभोग सम्बन्धित निर्णय किस आधार पर लिये जाते है?

20. पूर्ति मे वद्धि को रेखाचित्र की सहायता से समझाइये।

अथवा

पूर्ण प्रतिस्पर्धी बाजार में फर्म का औसत आगम एवं सीमान्त आगम को रेखाचित की सहायता से समझाइये।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

खण्ड–द (चार अंक प्रत्येक)

21. मुद्रा के प्राथमिक व द्वितीयक कार्य की व्याख्या कीजिए।

अथवा

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मुद्रा पूर्ति नियंत्रण के दो उपायों का वर्णन कीजिए।

22. माँग की कीमत लोच की श्रेणिया रेखाचित्र की सहायता से स्पष्ट कीजिए।

अथवा

अनाधिमान वक्र की सहायता में उपभोक्ता के इष्टतम चयन को स्पष्ट कीजिए।

23. दीर्घकालीन सीमान्त लागत एवं औसत लागत वक्रों के सम्बन्ध को रेखाचित्र द्वारा स्पष्ट कीजिए।

अथवा

अल्पकालीन औसत लागत व सीमान्त लागत की अवधारणा को रेखाचित्र सहित समझाइये।

© RSCERT
NOT TO BE REPUBLISHED

मॉडल प्रश्न पत्र–2

उ. मा. वि. परीक्षा 2022

विषय – अर्थशास्त्र (कला– वाणिज्य)

खण्ड–अ

1. बहुविकल्पी प्रश्न (प्रत्येक एक अंक)

1. आधुनिक अर्थशास्त्री के रूप में किसे जाना जाता है।
   (अ) कीन्स (ब) एडम स्मिथ
   (स) मार्शल (द) पीगू

2. मुद्रा स्फीति किसे कहते है–
   (अ) कीमतो का बढ़ना (ब) कीमतों का घटना
   (स) कीमते स्थिर रहना (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

3. वह मात्रा जिसे समय के एक निश्चित बिन्दु पर मापा जाता है–
   (अ) प्रवाह (ब) स्टॉक
   (स) स्थिर (द) इनमे से कोई नहीं

4. मुद्रा पूर्ति की माप का सबसे साधारण रूप है–
   (अ) M_1 (ब) M_2
   (स) M_3 (द) M_4

5. भारतीय रिजर्व बैंक है–
   (अ) भारत का केन्द्रीय बैंक (ब) व्यावसायिक बैंक
   (स) आयात–निर्यात बैंक (द) कृषि बैंक

6. भारत में वस्तु एवं सेवाकर कब लागू किया गया ?
   (अ) जुलाई 2016 (ब) जुलाई 2017
   (स) जुलाई 2018 (द) जुलाई 2019

7. वर्तमान मे वस्तु व सेवा कर से बाहर रखा गया है।
   (अ) पेट्रोलियम पदार्थ (ब) मादक पेय पदार्थ
   (स) तम्बाकु पदार्थ (द) डेयरी उत्पाद

© RSEBT NOT TO BE REPUBLISHED

8. अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्या है–
   (अ) किन वस्तुओं का उत्पादन किया जाए और कितनी मात्रा में
   (ब) इन वस्तुओं का उत्पादन कैसे करते है?
   (स) इन वस्तुओं का उत्पादन किसके लिए किया जाए?
   (द) उपरोक्त सभी।

9. जिन वस्तुओं का एक दूसरे के स्थान पर उपभोग किया जा सकता है, कहलाती है?
   (अ) पूरक वस्तुएँ (ब) स्थानपन्न वस्तुएँ
   (स) सामान्य वस्तुएँ (द) निम्नस्तरीय वस्तुएँ

10. औसत लागत का सूत्र है–
   (अ) औसत लागत = कुल लागत / q (ब) औसत लागत = कुल स्थिर लागत / q
   (स) औसत लागत = कुल आगम / q (द) औसत लागत = कुल परिवर्ती लागत / q

11. दीर्घकालीन औसत लागत वक्र का आकार कैसा होता है?
   (अ) क्षेतिकीय (ब) 'U' आकार
   (स) ऊर्ध्वाधर (द) आयताकार अविपरवलय

12. ह्यासमान पैमाने के प्रतिफल के अन्तर्गत
   (अ) उत्पादन साधन जिस अनुपात मे बढ़ते है, कुल उत्पादन उससे कम अनुपात मे बढ़ता है।
   (ब) उत्पादन साधन जिस अनुपात मे बढ़ते है, कुल उत्पादन भी उसी अनुपात मे बढता है।
   (स) उत्पादन साधन जिस अनुपात मे बढ़ते है, कुल उत्पादन उससे अधिक अनुपात मे बढता है।
   (द) उपर्युक्त में कोई नहीं।

2. रिक्त स्थान की पूर्ति किजीए–

1. ..... को आधुनिक अर्थशास्त्र का जनक माना जाता है।
2. भारत मे विमुद्रीकरण ..... मे किया गया।
3. एक अर्थव्यवस्था मे वस्तुओं तथा सेवाओं मे कुल उत्पादन को ..... कहते है।
4. वस्तुओं मे उपयोगिता का सृजन करना ..... कहलाता है।
5. निम्नस्तरीय खाद्य वस्तु का उदाहरण ..... है।
6. दीर्घकाल में उत्पादन के सभी साधन ..... होते हैं।

3. अतिलघुतरात्मक प्रश्न
1. आर्थिक एजेंट से क्या तात्पर्य है?
2. राष्ट्रीय आय का अध्ययन अर्थशास्त्र की किस शाखा मे किया जाता है?
3. प्रत्यक्ष कर का कोई एक उदाहरण दीजिए।
4. भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति के एक उपकरण का नाम बताइए।

COPYRIGHT NOT TO BE REPUBLISHED

5. मुद्रा जो कागज की बनी हुई होती है, कहलाती है।?
6. बजट की पूंजीगत प्राप्ति की कोई एक मद बताइये।
7. सरकारी व्यय गुणक ज्ञात करने का सूत्र लिखियें।
8. एक केन्द्रीयकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था का मुख्य उद्देश्य क्या है?
9. एक सरल माँग रेखा के मध्य बिन्दु पर लोच कितनी होगी?
10. दीर्घकालिन उत्पादन फलन को क्या कहते है?
11. अल्पकाल मे कोई दो परिवर्ती आगतों के उदाहरण दीजिए।
12. अवसर लागत किसे कहतें है ?

लघुत्तरात्मक प्रश्न (प्रत्येक 2 अंक)

4. गैर टिकाऊ तथा टिकाऊ वस्तुओं मे कोई दो अन्तर बताइये।
5. यदि बाजार कीमत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद 450 रू. है तथा मूल्यहास 60 रू. है तो बाजार मूल्यों पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद की गणना कीजिए।
6. उच्च शक्तिशाली मुद्रा के प्रमुख घटक लिखिये।
7. कर को परिभाषित कीजिए। अप्रत्यक्ष कर के दो उदाहरण दीजिए।
8. राजस्व व्यय एवं पूंजीगत व्यय मे एक अन्तर बताइए।
9. प्रत्यक्ष कर एवं अप्रत्यक्ष कर का कोई एक–एक दोष बताइए।
10. सार्वजनिक व्यय के कोई दो प्रभाव बताइये।
11. एक अर्थ व्यवस्था कितने प्रकार की हो सकती है?
12. उपभोक्ता का इष्टतम संयोग को दर्शाने वाला रेखाचित्र बनाइए।
13. स्थानापन्न वस्तुओं को उदाहरण की सहायता से समझाइए।
14. आन्तरिक बचतों के प्रकार लिखिए।
15. पूर्ति का नियम क्या है?
16. साम्य कीमत तथा साम्य मात्रा से क्या तात्पर्य है।

खण्ड – स

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न (प्रत्येक 3 अंक)

17. स्टॉक चर व प्रवाह चर के मध्य अन्तर कीजिये।

अथवा

आय विधि द्वारा घरेलू आय की गणना कैसे की जाती है ? समझाइए।

18. केन्द्रीय बैंक तथा व्यापारिक बैंक मे अन्तर तालिका द्वारा स्पष्ट कीजिए।

अथवा

मुद्रा की सट्टा माँग और ब्याज की दर मे विलोम सम्बन्ध क्यों होता है?

19. उत्पादन संभावना वक्र के उपर की और खिसकाने के क्या कारण होते है? रेखाचित्र की सहायता से स्पष्ट करें।

अथवा

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

व्यष्टि अर्थशास्त्र का अर्थ बताते हुए इसमें महत्व को स्पष्ट कीजिए।

20. एक पूर्ण प्रतिस्पर्धात्मक बाजार मे कुल संप्राप्ति को उदाहरण एवं रेखाचित्र की सहायता से दर्शाइए।

अथवा

पूर्ण प्रतियोगिता में फर्म के साम्य की दो रीतियों को रेखाचित्र से स्पष्ट कीजिए।

खण्ड – द

निबन्धात्मक प्रश्न (प्रत्येक 4 अंक)

21. व्यापारिक बैंको द्वारा साख सृजन को प्रभारित करने वाले तत्वों को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

भारत में मुद्रा पूर्ति की अवधारणाओं को स्पष्ट कीजिए।

22. माँग की लोच ज्ञात करने की व्यय विधि को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

माँग के नियम का रेखाचित्र के द्वारा वर्णन कीजिए।

23. अल्पकाल मे औसत लागत व सीमान्त लागतों को उपयुक्त उदाहरण व रेखाचित्र की सहायता से स्पष्ट कीजिए।

अथवा

दीर्घकालीन लागत वक्रों को रेखाचित्र सहित स्पष्ट कीजिए।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

मॉडल प्रश्न पत्र–3

उ. मा. वि. परीक्षा 2022

विषय – अर्थशास्त्र (कला– वाणिज्य)

खण्ड–अ

1. बहुविकल्पी प्रश्न (प्रत्येक 1 अंक)

1. एन इन्क्वायरी इन्टू द नेचर एण्ड काउज आफ द वेल्थ आफ नेशन पुस्तक के लेखक कौन है–
(अ) कीन्स (ब) पीगू

(स) मार्शल (द) एड्म स्मिथ

2. उत्पादन के कारक है–
(अ) भूमि (ब) पूंजी
(स) श्रम (द) उपर्युक्त सभी

3. उद्यमी का पारिश्रमिक कहलाता है–
(अ) लाभ (ब) ब्याज
(स) मजदूरी (द) लगान

4. संव्यवहार के लिए सबसे तरल व आसान मुद्रा है।
(अ) M_1 (ब) M_2
(स) M_3 (द) M_4

5. वस्तु विनिमय प्रणाली का दोष है।
(अ) आवश्यकता के दोहरे संयोग का अभावा
(ब) मूल्य मापन का अभाव
(स) वस्तु विभाजन का अभाव
(द) उपर्युक्त सभी

6. राजस्व घाटा ज्ञात करने का सूत्र है।
(अ) राजस्व घाटा =राजस्व व्यय + राजस्व प्राप्तियॉ
(ब) राजस्व घाटा =राजस्व व्यय - राजस्व प्राप्तियॉ
(स) राजस्व घाटा =राजस्व व्यय x राजस्व प्राप्तियॉ
(द) राजस्व घाटा =राजस्व व्यय ÷राजस्व प्राप्तियॉ

7. चयन की समस्या का कारण है।
(अ) असीमित आवश्यकता (ब) सीमित संसाधन
(स) संसाधनों के वैकल्पिक प्रयोग (द) उपर्युक्त सभी

8. अनाधिमान वक्र होता है।
(अ) मूल बिन्दु की तरफ अवतल (ब) मूल बिन्दू की तरफ उत्तल
(स) क्षैतिज अक्ष के समानान्तर (द) लम्बवत् अक्ष के समानान्तर

9. जिन वस्तुओं को उपभोग एक साथ किया जाता है, वे कहलाती है–
(अ) स्थानापन्न वस्तुएँ (ब) सामान्य वस्तुएँ

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

(स) पूरक वस्तुएँ (द) निम्नस्तरीय वस्तुएँ

10. औसत उत्पाद का सूत्र है–

(अ) औसत उत्पाद = $\frac{\text{कुल उत्पाद}}{\text{श्रम की इकाइयाँ}}$ (ब) औसत उत्पाद = $\frac{\text{कुल उत्पाद}}{\text{श्रम की इकाइयाँ}}$

(स) औसत उत्पाद = $\frac{\text{मूल लागत}}{\text{श्रम की इकाइयाँ}}$ (द) औसत उत्पाद = $\frac{\text{मूल लागत}}{\text{कुल उत्पादन}}$

11. परिवर्ती अनुपात नियम के अन्तर्गत जहाँ कुल उत्पादन अधिकतम होता है, वहां सीमान्त उत्पादन होगा।

(अ) धनात्मक (ब) ऋणात्मक

(स) शून्य (द) न्यूनतम

12. एक फर्म द्वारा उपयोग में लाये गये आगतो तथा फर्म द्वारा उत्पादित निर्गत मे सम्बन्ध बताने वाला फलन है–

(अ) उपभोग फलन (ब) उत्पादन फलन

(स) व्यय फलन (द) आय फलन

1. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए–
   1. सकल निवेश व निवल निवेश मे अन्तर ..... कहलाता है।
   2. ..... भारत में करन्सी जारी करता है। ?
   3. एक वर्ष की अवधि मे उत्पादन हेतु किये जाने वाले व्यय को ..... कहते है।
   4. ..... एक बाजार अर्थव्यवस्था का मुख्य उद्येश्य होता है।
   5. ..... व ..... एक दूसरे की स्थानापन्न वस्तुएं है।
   6. अल्पकाल में उत्पादक केवल ..... कारकों मे परिवर्तन कर सकता है।

2. अति लघुत्तरात्मकप्रश्न
   1. कीन्स की प्रसिद्ध पुस्तक का नाम लिखिए।
   2. समष्टि मे अध्ययन की जाने वाली देश की कोई समस्या का नाम लिखिए।
   3. अप्रत्यक्ष कर के कोई दो उदाहरण दीजिए।
   4. लोगों द्वारा मुद्रा शेष की माँग को क्या कहा जाता है?
   5. वह मुद्रा जिसे आसानी से मुद्रा में बदला जा सके उसे क्या कहते है ?
   6. कोई एक गैर–योजनागत राजस्व व्यय की मद का नाम बताइये।
   7. कर गुणक का सुत्र लिखिये।
   8. भारतीय अर्थव्यवस्था किस प्रकार की अर्थव्यवस्था है?
   9. मांग के नियम का कोई एक अपवाद लिखिए।
   10. समोत्पाद वक्र की कोई एक विशेषता बताइए।
   11. समय के आधार पर उत्पादन फलन के प्रकार बताओ।
   12. लाभ–अलाभ बिन्दु किसे कहते है?

© RSCERT NOT TO BE PUBLISHED

खण्ड – ब

लघुत्तरात्मक प्रश्न (प्रत्येक 2 अंक)

3. बाजार कीमत तथा साधन लागत में क्या अन्तर है।
4. यदि बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद (Gpp_{mp}) 350 रू. है तथा मूल्यह्रास 40 रू. है तो बाजार कीमत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद की गणना कीजिए।
5. वस्तु विनिमय के दो दोष लिखिए।
6. योजना व्यय की परिभाषा दीजिए।
7. प्रगतिशाली एवं प्रतिगामी कर में अन्तर बताइए।
8. प्रत्यक्ष करों के कोई दो गुण बताइये।
9. सार्वजनिक व्यय वृद्धि के कोई दो कारण बताइए।
10. एक बुनकर के पास कपड़ा बुनने हेतु क्या–क्या संसाधन होते है?
11. अनधिमान वक्र का रेखाचित्र बनाइये।
12. पूरक वस्तुओं को उदाहरण की सहायता से समझाइये।
13. पैमाने के बढ़ते प्रतिफल से कारण लिखिए।
14. पूर्ण प्रतिस्पर्धात्मक बाजार के कोई दो लक्षण लिखिए।
15. पूर्ति को प्रभावित करने वाले कोई दो तत्व लिखिए।

खण्ड – स

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न (प्रत्येक 3 अंक)

16. व्यय विधि द्वारा सकल घरेलू उत्पाद की गणना की विधि समझाइये।

    अथवा

    राष्ट्रीय आय तथा आर्थिक कल्याण में सम्बन्ध को स्पष्ट कीजिए।
17. भारतीय आय तथा आर्थिक कल्याण में सम्बन्ध को स्पष्ट कीजिए।

    अथवा

    उच्च शक्तिशाली मुद्रा का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
18. सीमान्त उत्पादन संभावना वक्र को रेखाचित्र की सहायता से स्पष्ट कीजिए।

    अथवा

    व्यष्टि अर्थशास्त्र के उपयोग एवं सीमाओं को बताइए।
19. पूर्ण प्रतियोगिता में एक फर्म के अल्पकालिन पूर्ति वक्र को रेखाचित्र की सहायता से स्पष्ट कीजिए।

    अथवा

    पूर्ति में विस्तार एवं वृद्धि को रेखाचित्र से दर्शाइये।

खण्ड – द

निबन्धात्मक प्रश्न (प्रत्येक 4 अंक)

20. लोगो द्वारा मुद्रा की माँग के दो उद्येश्यों का वर्णन कीजिए।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

अथवा

भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास मे रिजर्व बैंक के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

21. सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

अथवा

तटस्थता वक्र की कोई दो विशेषताओं को रेखाचित्र की सहायता से स्पष्ट कीजिए।

22. औसत लागत व सीमान्त लागत के मध्य सम्बन्ध को रेखाचित्र सहित स्पष्ट कीजिए।

अथवा

ह्रासमान पैमाने के प्रतिफल को रेखाचित्र द्वारा स्पष्ट कीजिए।

© RSCERT
NOT TO BE REPUBLISHED

Notes:-

© RSCERT
NOT TO BE REPUBLISHED

© RSCERT
NOT TO BE REPUBLISHED

© RSCERT
NOT TO BE REPUBLISHED

लेखन विकास समूह

1. श्री भगवती लाल नाहर, प्रधानाचार्य, राउमावि ढूंढी, सायरा, उदयपुर
2. श्री सुरेश पंचाल, प्राध्यापक (अर्थशास्त्र), राउमावि झाड़ोल(फ.), उदयपुर
3. श्रीमती पिंकी शर्मा, प्राध्यापक(वाणिज्य), राउमावि कनबा, बिछीवाड़ा, डूंगरपुर

प्रूफ रीडर

1. श्री सुरेश पंचाल, प्राध्यापक (अर्थशास्त्र), राउमावि झाड़ोल(फ.), उदयपुर
2. श्री गणपत पालीवाल, प्राध्यापक (वाणिज्य), राउमावि गोगुन्दा, उदयपुर

तकनीकी समन्वयक

श्री हेमंत आमेटा
प्राध्यापक
(राजकीय सिन्धी भाषाई उमावि, प्रतापनगर, उदयपुर)

श्री ललित पटेल
प्र. स.
(राउमावि सरु, गिर्वा, उदयपुर)

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

© RSCERT
NOT TO BE REPUBLISHED

"आपकी सजगता, बच्चे की सुरक्षा"

बाल अधिकारिता विभाग राजस्थान सरकार

20/198, सेक्टर-2, कावेरी पथ, के.एल. सैनी स्टेडियम के पास मानसरोवर, जयपुर फोन : 0141-2399335
Email : ccosjerajasthan@gmail.com, dcr@rajasthan.gov.in • Website : www.dcrraj.in

आओ ! कुछ अच्छा सोचें, कुछ अच्छा करें।
खुद को ..., अपनी अच्छी सोच को ... आसमान छूने दें !

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्

111, सहेली मार्ग उदयपुर (राजस्थान) 313001

एवं

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्

शिक्षा संकुल, जयपुर (राजस्थान) 302001